राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 15
अंक : 47
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
शुक्रवार 16 जनवरी 2026
मूल्य :2 /-
RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट
पेज 3 स्पोर्ट्स सिटी में प्राधिकरण ने लगाई शर्त
पेज 4 सहारनपुर में दलित छात्र की हत्या, लाश ट्रैक पर फेंकी
पेज 6 सिराज रणजी ट्रॉफी के बचे हुए मुकाबलों में हैदराबाद की कप्तानी

संक्षिप्त खबरें

गुजरात के सूरत में मांझा से बचने की कोशिश में बाइक ब्रिज से गिरी, पति-पत्नी और बेटी की मौत

सूरत। गुजरात के सूरत में चाइनीज मांझे ने एक परिवार के तीन लोगों की जान ले ली। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि मकर संक्रांति के दिन चंद्रशेखर आजाद फ्लाईओवर पर बाइक सवार रेहान शेख अचानक सामने आई पतंग के मांझे में उलझ गए। उन्होंने बाइक संभालने की कोशिश की, लेकिन संतुलन बिगड़ गया। बाइक ब्रिज से 65-70 फीट नीचे जा गिरी। हादसे में रेहान व उनकी बेटी अलीशा की मौके पर ही मौत हो गई। पत्नी रेहाना ऑटोरिक्शा पर गिरीं, अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई।

असम के छात्र के चेहरे पर मारे लात-घूंसे, नाक टूटी

अनूपपुर। मध्यप्रदेश के अनूपपुर स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय के छात्रावास में असम के एक छात्र के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। छात्र का आरोप है कि कुछ युवक देर रात हॉस्टल के कमरे में घुसे और उसके साथ बेरहमी से मारपीट की। घटना के बाद छात्र डरा हुआ है और उसने जान का खतरा बताते हुए परीक्षा नहीं दे पाने की बात कही है। घटना 13 जनवरी की अलसुबह करीब 4 बजे जीजीबीएच हॉस्टल की है। पीड़ित छात्र हीरोस ज्योतिदास असम का रहने वाला है। वह IGNTU में इकोनॉमिक्स विषय में एमए कर रहा है। पांच से छह युवक उसके कमरे में घुसे, नाम और राज्य पूछा और इसके बाद मारपीट शुरू कर दी।

हैप्पी मॉर्निंग

राजू- होम्योपैथी दवा खाने का भी एक अपना मजा है
सुरेश- वो कैसे? राजू- 4 गोली निकालो तो 6 निकल आती है, और 2 वापस डालो तो 4 चली जाती है
इस खेल में बीमारी से ध्यान हट जाता है
और मरीज ठीक हो जाता है......

शायरी

अब उस के सामने इंसाफ़ का तराज़ू है
उन्हें कहें कि अदालत का एहतिराम करें

अर्थसार

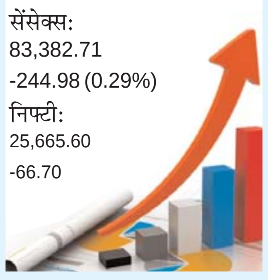

संसेक्स:
83,382.71
-244.98 (0.29%)
निफ्टी:
25,665.60
-66.70

मौसम

अधिकतम : 18 डिग्री से0
न्यूनतम : 06 डिग्री से0
सूर्योदय शनिवार : 7 : 17
सूर्यास्त शुक्रवार : 5 : 46

भीषण ठंड, शीतलहर और घना कोहरा, कड़ाके की ठंड ने दिल्ली-यूपी को जकड़ा

पंजाब-राजस्थान में शीत लहर का अटैक; कोहरा कर रहा परेशान

- उत्तर-पश्चिम भारत और बिहार में पांच-छह दिनों तक सुबह कोहरा छाया रह सकता है
- पंजाब के बलोवाल में न्यूनतम तापमान शून्य डिग्री दर्ज किया गया

नई दिल्ली। उत्तर भारत इस समय भीषण ठंड, शीतलहर और घने कोहरे की तिहरी मार झेल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, वर्तमान में जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार सक्रिय हो रहे पश्चिमी विक्षोभ और भारी बर्फबारी के कारण मैदानी इलाकों के तापमान में भारी गिरावट दर्ज की जा रही है। अगले दो-तीन दिनों तक पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश के साथ-साथ झारखंड और ओडिशा में गंभीर शीतलहर की स्थिति बनी रहेगी।

कोहरे ने किया परेशान

उत्तर-पश्चिम भारत और बिहार में पांच-छह दिनों तक सुबह कोहरा छाया रह सकता है। 19 जनवरी तक उत्तर-पश्चिम भारत में जहां-तहां हल्की बारिश और पहाड़ों पर बर्फबारी जारी रह सकती है। इससे मैदानी इलाकों में ठंड का असर जारी रहेगा। हालांकि 18 जनवरी के बाद पश्चिमी विक्षोभ का असर धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगेगा।

इसके साथ ही न्यूनतम तापमान में तीन से पांच डिग्री की बढ़ोतरी संभव है, लेकिन पूरी तरह राहत मिलने में अभी समय लगेगा, क्योंकि एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकता है। इस बीच, गुरुवार को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के कई इलाकों में न्यूनतम तापमान शून्य डिग्री या उसके आसपास पहुंच गया।

दिल्ली में इस सीजन सबसे सर्द रही सुबह

पंजाब के बलोवाल में न्यूनतम तापमान शून्य डिग्री दर्ज किया गया, जबकि दिल्ली में इस सीजन की सबसे सर्द सुबह रिकार्ड की गई।

सफदरजंग वेधशाला में न्यूनतम तापमान 2.9 डिग्री सेल्सियस रहा, जो जनवरी 2023 के बाद सबसे कम है। पालम में पारा 2.3 डिग्री तक गिर गया, जो 2010 के बाद का सबसे निचला स्तर है।

हरियाणा के हिसार में 0.2 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। लगातार चार दिनों से दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई राज्य शीतलहर की चपेट में हैं और शुक्रवार को भी इससे राहत मिलने की संभावना नहीं है।

कोहरे और कमजोर धूप के कारण दिन में भी गलन बनी रह सकती है।

सुबह के समय घना कोहरा रहेगा और बाद में बादल छाए रहने से गलन बढ़ सकती है।

झारखंड के गुमला में रहा 0.8 डिग्री तापमान

पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार-झारखंड में भी ठंडी हवाओं का असर दिख रहा है। मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में तापमान तेजी से गिरा है। झारखंड के गुमला में तापमान 0.8 डिग्री तक पहुंच गया, जो पूरे क्षेत्र में सबसे कम है। इन राज्यों में मौसम साफ रहने की संभावना है, लेकिन सुबह में घना कोहरा और ठंडी हवाएं गलन बढ़ा रही हैं।

गणतंत्र दिवस परेड

नई दिल्ली में एक ठंडी सर्दियों की सुबह, बीएसएफ ऊंट दल के सदस्य आगामी गणतंत्र दिवस परेड के लिए पूर्वाभ्यास में भाग लेते हुए।

दिल्ली में एअर इंडिया का विमान बैगेज कंटेनर से टकराया : इंजन को नुकसान

नई दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट पर गुरुवार सुबह 5: 25 बजे एअर इंडिया का विमान बैगेज कंटेनर से टकरा गया। एयरलाइन ने बताया कि घने कोहरे में एयरबस ए 350 विमान को पार्किंग के लिए ले जाया जा रहा था, तभी यह घटना हुई। हादसे में विमान के इंजन को नुकसान पहुंचा है। विमान में सवार सभी पैसेंजर और क्रू मेंबर्स सुरक्षित हैं। एयरबस ए 350 की फ्लाइट एआई 101 दिल्ली से न्यूयॉर्क के बीच चलती है। ईरानी हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण फ्लाइट को अपना मार्ग बदलना पड़ा और वह वापस दिल्ली लौट आई थी। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने इसकी पुष्टि की। बताया कि दाहिने इंजन को नुकसान पहुंचा।

सुप्रीम कोर्ट की ईडी अफसरों पर दर्ज एफआईआर पर रोक

आई-पैक रेड मामले में ममता सरकार को नोटिस; कहा- एजेंसी के काम में रुकावट न डालें

एजेंसी

नई दिल्ली। आई-पैक रेड मामले में ईडी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को बंगाल सरकार को नोटिस जारी किया और दो हफ्तों में जवाब मांगा। कहा कि केंद्रीय एजेंसी के आरोप गंभीर है। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस विपुल पंचोली की बेंच ने कहा कि सरकार ईडी के काम में दखल न डालें। एजेंसी को अपना काम करने दें। कोर्ट ने 3 फरवरी को अगली सुनवाई तक ईडी अधिकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर भी रोक लगा दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- इस मामले में कुछ बड़े सवाल हैं, जिनका जवाब नहीं मिला तो अराजकता फैल सकती है। अगर केंद्रीय एजेंसियां किसी गंभीर अपराध की जांच के लिए ईमानदारी से अपना काम कर रही हैं, तो क्या उन्हें राजनीति करके रोका जा सकता है?

ईडी ने 8 जनवरी को तृणमूल कांग्रेस के आईटी हेड और पॉलिटिकल कंसल्टेंट फर्म डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर और कंपनी से जुड़े ठिकानों पर छापा मारा था। जांच एजेंसी का आरोप है कि इस दौरान सीएम ममता वहां बंगाल पुलिस के अफसरों के साथ पहुंचीं और अपने साथ सबूत लेकर चली गईं।

ऑपरेशन स्वदेश- ईरान से भारतीयों को एयरलिफ्ट करेगी सरकार

नई दिल्ली। ईरान में जारी सरकार विरोधी हिंसक प्रदर्शन के बीच केंद्र सरकार ने वहां से भारतीयों को एयरलिफ्ट करने की तैयारी कर ली है।

सरकार ने भारतीयों की वापसी के लिए 'ऑपरेशन स्वदेश' शुरू किया है। पहली विशेष फ्लाइट आज तेहरान से नई दिल्ली पहुंचेगी।

ईरान में इस समय करीब 10 हजार भारतीय नागरिक मौजूद हैं, जिनमें छात्र, कारोबारी और पेशेवर शामिल हैं। इसमें से 2500-3000 स्टूडेंट हैं, जो मेडिकल की पढ़ाई के लिए वहां गए थे। विदेश मंत्रालय ने ईरान की यात्रा से बचने की सलाह भी दी है। जम्मू और कश्मीर स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने एक बयान में कहा, सभी छात्रों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है। भारतीय दूतावास ने उनकी पर्सनल डिटेल और पासपोर्ट इकट्ठा कर लिए हैं।

पहले बैच को शुक्रवार सुबह 8 बजे तक तैयार रहने की जानकारी दे दी गई है।

पहले बैच में गोलेस्तान यूनिवर्सिटी, शाहिद बहेश्ती यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज और तेहरान यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज के कुछ स्टूडेंट्स शामिल हैं। फाइनल लिस्ट देर रात शेयर की जाएगी।

शासन ने मानी भागीरथपुरा में दूषित पानी से 15 मौतें

डेथ ऑडिट रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा, दो मौतें पहले ही हो चुकी थीं, चार अन्य कारणों से

इंदौर। भागीरथपुरा दूषित पानी से हुई 24 लोगों की मौत में मामले में 21 मौतों की डेथ ऑडिट रिपोर्ट में चौंकाने वाले फैक्ट्स मिले हैं। इसमें शासन ने माना कि इनमें से 15 लोगों की मौत दूषित पानी के कारण ही हुई है। इसके अलावा दो लोगों की मौतें तो यह एपिडेमिक शुरू होने के पहले ही हो चुकी थी जबकि चार लोगों की मौतें अन्य कारणों से हुई है।

दरअसल, इस मामले में पहले प्रशासन की ओर से चार लोगों के दूषित पानी से मरने की पुष्टि की गई थी। इसके बाद 6 लोगों की मौत बताई गई। इस बीच मौतों का आंकड़ा बढ़कर 24 तक पहुंच गया। चूंकि मामले में हाई कोर्ट ने 15 जनवरी को विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए थे, इस पर 13 जनवरी को डेथ ऑडिट रिपोर्ट तैयार की गई। इसमें तब 21 लोगों की मौतों का ऑडिट किया गया।

इन 15 लोगों की बताई दूषित पानी से मौत

उर्मिला (60), ताराबाई (65), नंदलाल (70), हीरालाल (65), अरविंद निकर (43), अव्यान (5 माह), मंजूला (65), गीताबाई (64), उमा कोरी (31), गोमती, श्रावण (80), सीमा (40), जीवनलाल (80), रामकली (47) और हरकुंवर बाई (81)।

इन चारों की मौतों दूषित पानी से नहीं

इनके अलावा अशोक (62), शंकरलाल (75), कमला (60) और सुनीता (49) की मौतें दूषित पानी से होना नहीं पाई गई।

इंदौर में सभी मृतकों के घर जाने पर अड़े राहुल गांधी, प्रशासन का अनुमति से इनकार

- प्रशासन के अधिकारियों ने राहुल से किसी एक स्थान पर पीड़ित परिवारों से मुलाकात कराने का सुझाव दिया है लेकिन इस पर सहमति नहीं बनी है

इंदौर। दूषित पेयजल प्रभावित इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में 17 जनवरी को प्रस्तावित कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के दौरे का विस्तृत कार्यक्रम गुरुवार देर शाम तक तय नहीं हो सका।

दरअसल, राहुल गांधी भागीरथपुरा में उन सभी मृतकों के घर जाकर स्वजन से मुलाकात करने पर अड़े हैं, जिनकी मौत के लिए दूषित पानी को कारण माना जा रहा है। लेकिन इंदौर प्रशासन ने सुरक्षा का हवाला देकर इसकी अनुमति देने से इनकार कर दिया है।

प्रशासन के अधिकारियों ने राहुल से किसी एक स्थान पर पीड़ित परिवारों से मुलाकात कराने का सुझाव दिया है लेकिन इस पर सहमति नहीं बनी है।

गुरुवार दोपहर दिल्ली से राहुल गांधी के दफ्तर के प्रतिनिधि सुशांत मिश्रा भागीरथपुरा पहुंचे। स्थानीय कांग्रेस नेताओं के साथ उन्होंने क्षेत्र का दौरा किया। किन-किन घरों में मौतें हुई हैं, इसके बारे में जानकारी ली।

इसके बाद मृतकों के नाम-पते की सूची कांग्रेस की ओर से इंदौर प्रशासन को देकर उनके घर पर स्वजन से राहुल गांधी को मिलाने की इच्छा जाहिर की गई।

केरल के एसएआई हॉस्टल में 2 खिलाड़ियों के शव मिले

फंदे से लटके थे, दोनों लड़कियों की उम्र 15-17 साल, सुसाइड नोट नहीं मिला

कोल्लम। केरल के कोल्लम स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया हॉस्टल में गुरुवार को दो नाबालिग स्पोर्ट्स ट्रेनी के शव कमरे में फंदे से लटके मिले। पुलिस के मुताबिक, दोनों छात्राएं स्पोर्ट्स कोचिंग ले रहीं थी और हॉस्टल में ही रह रही थीं।

मृत लड़कियों की पहचान कोझिकोड जिले की सैंड्रा (17) और तिरुवनंतपुरम जिले की वैष्णवी (15) के रूप में हुई है।

सैंड्रा एथलेटिक्स की ट्रेनी थी और 12वीं में पढ़ रही थी, जबकि वैष्णवी कबड्डी खिलाड़ी थी और क्लास 10वीं की छात्रा थी।

घटना से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

दोनों के शव एक ही कमरे में लटके मिले घटना गुरुवार सुबह करीब पांच बजे सामने आई, जब हॉस्टल के बाकी साथी ट्रेनी स्पोर्ट्स प्लेयर्स ने देखा कि दोनों लड़कियां सुबह की ट्रेनिंग सेशन में नहीं आईं।

दरवाजा बार-बार खटखटाने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिला तो हॉस्टल अधिकारी दरवाजा तोड़कर अंदर गए। वहां दोनों लड़कियां पंखों से लटकी मिलीं।

रेप-हत्या

कोर्ट ने कहा- घटना निर्भया केस की याद दिलाती है, मामला रेयरेस्ट ऑफ रेयर

मासूम बच्ची से रेप, हत्या के दोषी को फांसी की सजा

शहडोल। शहडोल जिले की विशेष पॉक्सो कोर्ट ने मानवता को शर्मसार करने वाले एक मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। बुढ़ार विशेष न्यायालय ने तीन साल की मासूम बच्ची के साथ रेप और उसकी हत्या के मुख्य आरोपी भानू उर्फ रामनारायण ढीमर को दोषी मानते हुए फांसी की सजा सुनाई है। आरोपी की पत्नी और उसके दोस्त को भी चार-चार साल के कारावास की सजा सुनाई है।

जज सुशील कुमार अग्रवाल ने गुरुवार को अपनी टिप्पणी में इस केस की तुलना निर्भया केस से करते हुए इसे 'रेयरेस्ट ऑफ रेयर' केस बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे अपराधियों को समाज में रहने का कोई अधिकार नहीं है।

शादी में गई थी मां, मासूम के साथ की हैवानियत

घटना खैरहा थाना क्षेत्र में हुई थी, जहां एक तीन वर्षीय बच्ची के साथ रेप कर उसकी हत्या कर दी गई थी। एक मार्च 2023 की रात पीड़िता की मां मोहल्ले में आयोजित शादी समारोह में गई थी और अपनी तीन साल की बेटी शिवांगनी को घर में बिस्तर पर सुलाकर गई थी।

घर में उस समय उसके पति का दोस्त आरोपी भानू उर्फ रामनारायण ढीमर मौजूद था। इसके बाद रात करीब 11 बजे जब मां वापस लौटी, तो उसकी बेटी जमीन पर गिरी हुई बेहोश हालत में मिली। मासूम के चेहरे, गाल और गले पर चोट के गहरे निशान थे।

जान से मारने की धमकी दी

इसके बाद मां ने जब आरोपी से इसके बारे में पूछा तो वह शराब के नशे में था। उसने कहा कि बच्ची रो रही थी, इसलिए उसने थप्पड़ मार दिए। जब महिला ने पुलिस में रिपोर्ट करने की बात कही तो आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता की मां ने बयान में बताया- आरोपी ने डराते हुए कहा कि पुलिस को बताना कि बच्ची बिस्तर से गिर गई है, नहीं तो पूरे परिवार को खत्म कर देगा। इसके डर से ही महिला ने शुरुआती बयान में सच्चाई नहीं बताई।

इलाज के दौरान हुई मौत

बच्ची की हालत बिगड़ने पर उसे पहले बुढार अस्पताल और फिर मेडिकल कॉलेज शहडोल रेफर किया गया। इस दौरान बच्ची की हालत बेहद गंभीर थी और उसे वेंटिलेटर पर रखा गया था। इलाज के दौरान 7 मार्च 2023 को मासूम की मौत हो गई। इसके बाद पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और मेडिकल जांच में सामने आया कि बच्ची के साथ रेप किया गया था। इसके बाद पुलिस ने हत्या, रेप और पॉक्सो एक्ट की धाराएं बढ़ाईं। जांच के दौरान डीएनए परीक्षण कराया गया, जिससे आरोपी की हैवानियत की पुष्टि हुई।

संपादकीय

भारत में आखिर क्यों नहीं थम रही अमीर-गरीब की दूरी?

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

भारत दुनिया की सबसे तेज़ बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। पिछले कुछ वर्षों में जीडीपी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, करोड़ों लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं और अरबपतियों की संख्या में तेज़ इज़ाफ़ा हुआ है। फिर भी, अमीर और गरीब के बीच की खाई लगातार चौड़ी होती जा रही है।

हालिया अनुमानों के मुताबिक़, शीर्ष 1 प्रतिशत आबादी के पास देश की कुल संपत्ति का लगभग 40 प्रतिशत है, जबकि निचले 50 प्रतिशत के हिस्से में 6 प्रतिशत से भी कम। आय के मामले में भी शीर्ष 1 प्रतिशत की हिस्सेदारी 22–23 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है—जो कई अध्ययनों के अनुसार औपनिवेशिक दौर से भी अधिक है। यह स्थिति अक्सर 'बिलियनेयर राज' के रूप में वर्णित की जाती है, जहाँ विकास का लाभ सीमित हाथों में सिमट जाता है।

बढ़ती असमानता के प्रमुख कारण

1) क्रोनी कैपिटलिज़्म और कॉर्पोरेट एकाग्रता

आर्थिक सुधारों के बाद बड़े उद्योगपतियों और कॉर्पोरेट घरानों को अपेक्षाकृत अधिक लाभ मिला। टेंडर, नीतिगत छूट, बाज़ार में एकाधिकार और वित्त तक आसान पहुँच ने पूँजी को ऊपर की ओर तेज़ी से संकेंद्रित किया। नतीजा—छोटे उद्यम और स्वरोज़गार पिछड़ते चले गए।

2) कर प्रणाली में संरचनात्मक खामियाँ

अप्रत्यक्ष करों (जैसे जीएसटी) का अनुपात अधिक है, जिनका बोझ अपेक्षाकृत गरीब उपभोक्ताओं पर ज़्यादा पड़ता है। इसके उलट, संपत्ति कर, उत्तराधिकार कर या उच्च आय पर प्रभावी प्रगतिशील कर अपेक्षाकृत कमज़ोर हैं। इससे पुनर्वितरण (redistribution) की भूमिका सीमित रह जाती है।

3) रोज़गार की गुणवत्ता और बेरोज़गारी

विकास का बड़ा हिस्सा रोज़गार-विहीन रहा है। नई नौकरियाँ प्राय: असंगठित क्षेत्र में हैं—कम वेतन, अस्थिरता और सामाजिक सुरक्षा के बिना। स्वचालन व तकनीकी बदलाव से निम्न-कौशल वाली नौकरियाँ सिमटती जा रही हैं, जबकि उच्च-कौशल अवसर सीमित वर्ग तक केंद्रित हैं।

4) शिक्षा और स्वास्थ्य में असमान पहुँच

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाएँ बड़े पैमाने पर निजी क्षेत्र में केंद्रित हैं और महँगी हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय जीडीपी का लगभग 1.3–2 प्रतिशत है, जबकि नीति-लक्ष्य 2.5 प्रतिशत का है। नतीजतन अवसरों की असमानता पीढ़ी-दर-पीढ़ी बढ़ती है।

5) ग्रामीण-शहरी और सामाजिक विभेद

ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि संकट, कम आय और बुनियादी ढाँचे की कमी बनी हुई है। जाति, लिंग और क्षेत्रीय असमानताएँ इस खाई को और चौड़ा करती हैं। महिलाओं की श्रम भागीदारी दर 15–20 प्रतिशत के आसपास रहना एक बड़ा चेतावनी संकेत है।

वर्तमान परिदृश्य (2025 तक)

हालिया वैश्विक अध्ययनों—जैसे World Inequality Lab ¥õÚU UBS Global Wealth Report—के अनुसार 2019 के बाद असमानता तेज़ी से बढ़ी है। 2024 में अरबपतियों की संपत्ति में उल्लेखनीय उछाल दिखा, जबकि औसत/मध्य संपत्ति पर दबाव रहा।

सरकारी दावे गरीबी घटने और कुछ सूचकांकों (जैसे गिनी) में सुधार की ओर इशारा करते हैं, पर स्वतंत्र रिपोर्टें भारत को सबसे असमान देशों में गिनने लगी हैं—यहीं नीति-विवाद तीखा हो जाता है।

समाधान की दिशा

- **प्रगतिशील कराधान :** उच्च आय व संपत्ति पर प्रभावी कर, उत्तराधिकार कर जैसे विकल्पों पर गंभीर विमर्श।
- **मानव पूँजी में निवेश :** शिक्षा-स्वास्थ्य पर सार्वजनिक व्यय बढ़ाना, गुणवत्ता और पहुँच दोनों पर ज़ोर।
- **रोज़गार-सृजन :** MSME, श्रम-गहन विनिर्माण, हरित अर्थव्यवस्था और स्थानीय सेवाओं में बड़े पैमाने पर नौकरियाँ।
- **कौशल और सामाजिक सुरक्षा :** री-स्किलिंग, अप्रेंटिसशिप, न्यूनतम सामाजिक सुरक्षा जाल।
- **क्षेत्रीय संतुलन :** ग्रामीण अवसंरचना, कृषि आय स्थिरीकरण और महिला श्रम भागीदारी बढ़ाने की ठोस नीतियाँ।

निष्कर्ष

भारत की आर्थिक सफलता तब ही टिकाऊ और नैतिक होगी जब वह अमीर-गरीब की खाई को पाटने में सफल हो। समावेशी विकास केवल नैतिक दायित्व नहीं, बल्कि सामाजिक स्थिरता और दीर्घकालिक समृद्धि की अनिवार्य शर्त है। अगर आज असमानता को चुनौती नहीं दी गई, तो कल विकास स्वयं संकट में पड़ सकता है।

ईरान की उथल-पुथल एवं अमेरिका से टकराव गंभीर चुनौती

-ललित गर्ग-

ईरान में बार-बार उभरती उथल-पुथल केवल किसी एक घटना, किसी एक फैसले या किसी एक पीढ़ी का आक्रोश नहीं है, बल्कि यह उस ऐतिहासिक, वैचारिक और भू-राजनीतिक संरचना की परिणति है, जिसने 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद से इस देश को आकार दिया है। आज जब सड़कों पर विरोध के दृश्य, सोशल मीडिया पर आक्रोश और पश्चिमी विश्लेषकों की ओर से सत्ता परिवर्तन की अटकलें तेज हैं, तब यह समझना जरूरी हो जाता है कि ईरान का संकट साधारण आंतरिक असंतोष नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन से गहराई से जुड़ा हुआ प्रश्न है। ईरान की आंतरिक उथल-पुथल एवं अस्थिरता के साथ-साथ उसका अमेरिका के साथ टकराव युद्ध की स्थितियों एवं वैश्विक असंतुलन का बड़ा कारण बन रहा है।

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता टकराव केवल द्विपक्षीय तनाव नहीं है, बल्कि इसके दुष्प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ सकते हैं। इस संघर्ष से पश्चिम एशिया में युद्ध का खतरा बढ़ता है, जिसका सीधा असर वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और तेल की कीमतों पर पड़ सकता है। होर्मुज जलडमरूमध्य में किसी भी तरह की अस्थिरता अंतरराष्टीय व्यापार की धमनियों को बाधित कर सकती है, जिससे महंगाई और आर्थिक मंदी का खतरा बढ़ेगा। इसके साथ ही यह टकराव क्षेत्रीय देशों को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से युद्ध में खींच सकता है, जिससे शरणार्थी संकट, आतंकवाद और साम्प्रदायिक तनाव गहराने की आशंका है। महाशक्तियों के परस्पर टकराव की स्थिति में विश्व राजनीति और अधिक ध्रूवीकृत होगी, अंतरराष्टीय सहयोग कमजोर पड़ेगा और शांति की जगह अविश्वास व सैन्य प्रतिस्पर्धा का वातावरण बनेगा, जिसका खामियाजा अंतत: पूरी मानवता को भुगतना पड़ सकता है।

1979 की इस्लामिक क्रांति ने ईरान में केवल शाह मोहम्मद रज़ा पहलवी को सत्ता से हटाकर एक नई सरकार स्थापित नहीं की थी, बल्कि एक ऐसी वैचारिक-राजनीतिक संरचना रची थी, जिसमें धर्म, राजनीति और सुरक्षा-तंत्र एक-दूसरे में घुलमिल गए। 'विलायत-ए-फकीह' की अवधारणा के तहत सर्वोच्च धार्मिक नेतृत्व को अंतिम राजनीतिक अधिकार सौंपा गया। इसी व्यवस्था के संरक्षण और विस्तार के लिए इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर यानी आईआरजीसी को खड़ा किया गया, जो समय के साथ केवल सैन्य शक्ति नहीं, बल्कि आर्थिक, राजनीतिक और वैचारिक ताकत का भी केंद्र बन गया। यही कारण है कि ईरान की व्यवस्था को केवल सरकार या शासन कहकर नहीं समझा जा सकता; यह एक संपूर्ण तंत्र है, जिसे हटाने के लिए केवल विरोध-प्रदर्शन पर्याप्त नहीं होते।

ईरान ने पिछले चार दशकों में कई बड़े जनांदोलन देखे हैं। 2009 का ग्रीन मूवमेंट, 2017-18 की आर्थिक असंतोष की लहर, 2019 में ईंधन मूल्य वृद्धि के खिलाफ उग्र प्रदर्शन और 2022 में सामाजिक स्वतंत्रताओं को लेकर उठी आवाजेंकृहर बार यह माना गया कि शायद अब व्यवस्था डगमगाएगी। लेकिन हर बार वही सत्ता, वही ढांचा और वही शक्ति-संतुलन कायम रहा। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि ईरान में सुरक्षा-तंत्र राज्य से अलग नहीं, बल्कि राज्य का ही विस्तार है। अरब स्प्रिंग के दौरान मिस्र या तुर्किए में सेनाओं ने अंतत: राष्ट-राज्य को बचाने का रास्ता चुना, लेकिन ईरान में आईआरजीसी खुद को क्रांति और इस्लामिक रिपब्लिक का संरक्षक मानती है, न कि केवल सीमाओं की रक्षा करने वाली संस्था। फिर भी यह कहना गलत होगा कि ईरान की व्यवस्था पर कोई दबाव नहीं है। वास्तव में, आज का दबाव पहले से कहीं अधिक जटिल और गहरा है। इसका सबसे बड़ा कारण है पीढ़ीगत बदलाव। ईरान की आबादी का बड़ा हिस्सा युवा है, जिसने 1979 की क्रांति न देखी है और न ही उससे भावनात्मक रूप से जुड़ा है। उनके लिए क्रांति कोई जीवित स्मृति नहीं, बल्कि इतिहास की किताबों का अध्याय है। उनकी आकांक्षाएं इंटरनेट, वैश्विक संस्कृति, शिक्षा, रोजगार और व्यक्तिगत स्वतंत्रताओं से प्रेरित हैं। जब ये आकांक्षाएं एक सख्त सामाजिक-राजनीतिक व्यवस्था से टकराती हैं, तो असंतोष स्वाभाविक रूप से जन्म लेता है।

इस असंतोष को और तीखा बनाया है दशकों से चले आ रहे अमेरिकी और पश्चिमी प्रतिबंधों ने। इन प्रतिबंधों ने ईरान की अर्थव्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। तेल निर्यात सीमित हुआ, विदेशी निवेश रुका, मुद्रा कमजोर पड़ी और महंगाई ने आम नागरिक की कमर तोड़ दी। विकास और आधुनिकीकरण की गति धीमी पड़ी, जिससे खासकर शहरी मध्यम वर्ग और युवा वर्ग में भविष्य को लेकर निराशा बढ़ी। आज ईरान के कई नागरिक यह सवाल पूछ रहे हैं कि क्या अमेरिका और इजराइल के साथ अंतहीन दुश्मनी का बोझ उन्हीं के कंधों पर डाला जाना जरूरी है। धीरे-धीरे यह वैचारिक टकराव राष्टवादी गौरव से अधिक सामाजिक बोझ के रूप में देखा जाने लगा है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव इस पूरे परिदृश्य को और खतरनाक बना देता है। अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान से व्यापार करने वाले देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने के आदेश और सैन्य हस्तक्षेप के संकेतों ने पश्चिम एशिया को एक बार फिर युद्ध के मुहाने पर ला खड़ा किया है। ईरान आज 1979 के बाद से शायद सबसे गंभीर बाहरी दबाव का सामना कर रहा है। यह टकराव केवल दो देशों के बीच का संघर्ष नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा भू-राजनीतिक खेल बन चुका है, जिसमें महाशक्तियां अपने-अपने हित साधना चाहती हैं।

अकसर यह धारणा बनाई जाती है कि बाहरी हस्तक्षेप से ईरान में सत्ता परिवर्तन संभव है। लेकिन इतिहास बताता है कि ईरान में विदेशी दखलअंदाजी ने हमेशा उल्टा असर डाला है। 1953 में मोसादेग सरकार के तख्तापलट से लेकर आज तक, 'विदेशी साजिश' का कथानक ईरानी राष्टवाद को मजबूत करता रहा है। बाहरी समर्थन से होने वाले आंदोलनों को जनता का व्यापक और स्थायी समर्थन नहीं मिल पाता। यही वजह है कि विपक्षी नेतृत्व, जो अक्सर देश से बाहर बैठा होता है, ईरान के भीतर विश्वसनीय विकल्प नहीं बन सका। इसके अलावा, ईरान वेनेजुएला नहीं है। यह एक बड़ा, संगठित और रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण देश है, जिसकी पकड़ इराक, सीरिया, लेबनान और यमन तक फैली हुई है। यहां किसी भी प्रकार का सैन्य हस्तक्षेप पूरे पश्चिम एशिया को आग में झोंक सकता है। इजराइल, खाड़ी देश, अमेरिका और यूरोपीय शक्तियां-सब इसके प्रभाव में आएंगे। चीन और रूस भी एक अस्थिर ईरान नहीं चाहते, क्योंकि वह उनके क्षेत्रीय और वैश्विक हितों के खिलाफ होगा। यह बहुध्रूवीय संतुलन ईरान की व्यवस्था को एक अप्रत्यक्ष सुरक्षा कवच प्रदान करता है।

ईरान के भीतर आम नागरिकों का गुस्सा अब केवल आर्थिक कुप्रबंधन या भ्रष्टाचार तक सीमित नहीं रह गया है। एक बड़ा वर्ग यह मानने लगा है कि शासन की प्राथमिकताएं आम लोगों की जरूरतों से कट चुकी हैं। जब नागरिक भोजन, रोजगार और सम्मानजनक जीवन की मांग कर रहे हों, तब बाहरी दुश्मनों के खिलाफ वैचारिक युद्ध और यहूदी-विरोधी राजनीति उन्हें खोखली प्रतीत होती है। कई ईरानी मानते हैं कि इसी नीति ने देश को अंतरराष्टीय अलगाव में धकेला और आर्थिक बर्बादी को जन्म दिया। यदि ईरान में बाहरी मदद से सत्ता परिवर्तन की कोशिश होती है, तो इसके परिणाम केवल ईरान तक सीमित नहीं रहेंगे। मध्य पूर्व में शक्ति-संतुलन बुरी तरह बिगड़ सकता है। शिया-सुन्नी तनाव, इजराइल-ईरान संघर्ष और वैश्विक ऊर्जा बाजार-सब पर इसका गहरा असर पड़ेगा। भारत के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण होगी। भारत के ईरान के साथ ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक संबंध रहे हैं। चाबहार बंदरगाह से लेकर ऊर्जा सुरक्षा तक, ईरान भारत की विदेश नीति में अहम स्थान रखता है। ऐसे में भारत को अत्यंत सावधानी के साथ अपने रणनीतिक संतुलन को बनाए रखना होगा, ताकि वह किसी एक ध्रूव का मोहरा बनने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा कर सके। अंतत:, ईरान की वर्तमान उथल-पुथल यह संकेत देती है कि व्यवस्था पर दबाव वास्तविक है, लेकिन तात्कालिक पतन की भविष्यवाणियां अक्सर जल्दबाजी साबित होती हैं। यह संघर्ष केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि पहचान, वैचारिक दिशा और भविष्य की कल्पना का संघर्ष है। ईरान का भविष्य संभवत: न तो अचानक क्रांति से बदलेगा और न ही केवल दमन से स्थिर रहेगा। यह एक लंबी, जटिल और अंतर्द्वंद्वों से भरी प्रक्रिया होगी, जिसके परिणाम न केवल ईरान, बल्कि पूरी दुनिया की राजनीति को प्रभावित करेंगे।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3772

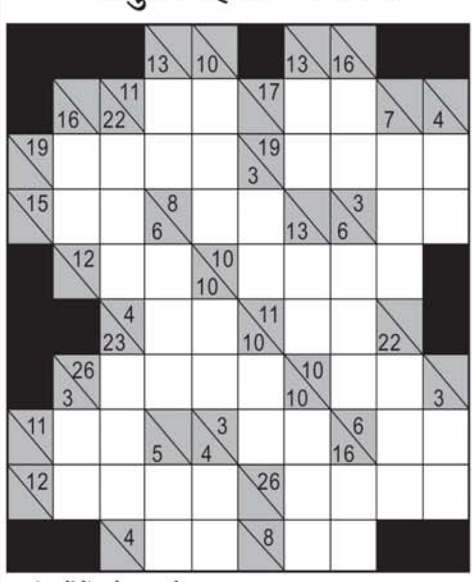

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

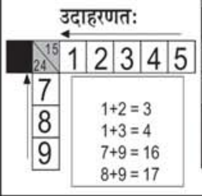

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3771 का हल

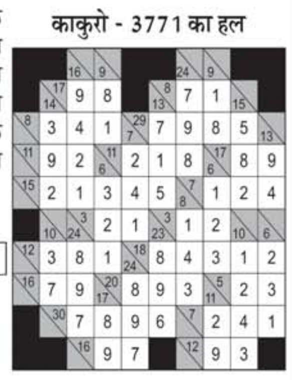

हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने होटल के मालिक को कहा- 'जनाब ! इस समय आपका बिल चुकाने के लिये मेरे पास पैसे नहीं हैं.'

'फिक्र न करें !' होटल का मालिक बोला- 'हम आपका नाम दीवार पर लिख देंगे. आप जब अगली बार आएं तो दे दीजिएगा.'

'मगर ऐसे तो सबको मालूम हो जायेगा !'

'कैसे मालूम होगा श्रीमान जी !' होटल के मालिक शान्त स्वर में बोला - 'नाम के ऊपर आपका कोट जो टंगा होगा.'

□ □ □

एक अंग्रेज ने, हिन्दुस्तानी आदमी से कहा कि 'तुम्हारी मूंछ तो बहुत अच्छी है, तुम मुझे यह दे दो मैं तुम्हें मुँह मांगा दाम दूँगा.' यह सुनते ही वह आदमी घर के अंदर गया और अपने सिर के बाल काट के लाकर के अंग्रेज के हाथ में दे दिए. बालों को देखकर अंग्रेज बोला कि 'यह क्या मैंने तो तुम्हारी मूंछ मांगी थी, तुम बाल क्यों ले आए?' अंग्रेज की बात सुनते ही उस व्यक्ति ने कहा कि 'माल हमेशा गोदाम से दिया जाता है न कि शोरूम से !'

□ □ □

जज- 'तुमने एक ही दुकान में चार बार चोरी क्यों की ?'

चोर- 'साहब पहली तीन बार मेरी बीवी को कोई साड़ी पसंद नहीं आई थी, इसलिए !'

फिल्म वर्ग पहेली - 3772

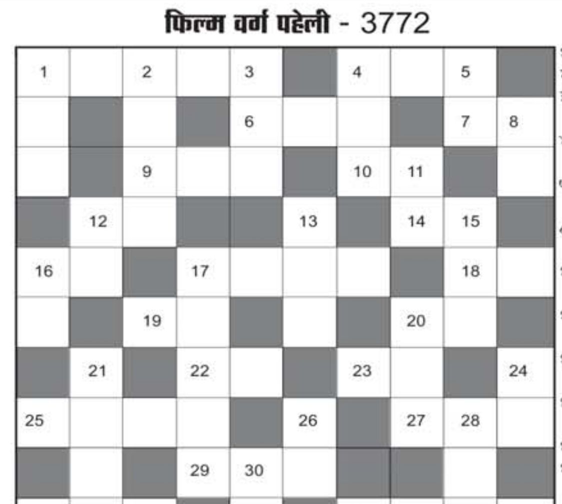

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, शशि, नीतू की 'एक रास्ता है जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
६. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली सनी, तब्बू, रीमासेन की फिल्म-३
९. संजयदत्त, पूजा भट्ट की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राजीव कपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. आमिर खान, माधुरी की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की जरूरत' गीत वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. सनी देओल, सुनील शेट्टी, अजय जडेजा, सेलिना जेटली की फिल्म-२
२०. 'डकैत' में मीनाक्षी का नायक ?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी ?-२
२३. अमिताभ, जीनत की 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली जीतेंद्र, जया भादुड़ी की फिल्म-४
२७. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
३१. संजीव कुमार, राखी की 'मन मेरा तुझको मांगे' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बाराती' गीत वाली अनिल कपूर, तब्बू की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनील, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. सुनील शेट्टी, करिश्मा, रवीना, सोनाली की 'सुंदरा सुंदरा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'देखा तुझे तो' गीत वाली फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'नजरें मिलीं दिल धड़का' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'कभी मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है-२
१२. विश्वजीत, माला सिन्हा की 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'टक टका टक' गीत वाली संजय कपूर, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
१५. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' की नायिका-२
१७. जैकी श्राफ, संजयदत्त, माधुरी की 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२०. संजय, विवेकमुशरान, मनीषा की फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीतवाली फिल्म-३
३०. मिलिंद, राहुल देव, नतान्या सिंह की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3771

सूडोकु -3772

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3771 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्द पहेली - 3772

बाएँ से दाएँ

1.लूटमार,डाका-4
5.रपटना -4
9.डोली उठानेवाले-3
10.पुत्र,लड़का-3
12.अधिकार-2
14.नवीन,नया-2
15.एक विदेशी शराब-2
16.कला,हुनर-2
17.मां का प्यार-3
19.दम,बल,जोर-3
21.पपीहा,पपीहरा-3
22.करामात,कारनामा-4
24.शमशीर,कृपाण-4
25.तरंगित,लहरीय-5
26.बोरिया-बिस्तर-4
29.साले की पत्नी-4
33.प्रयास,यत्न-3
34.सहायता,सहयोग-3
36.लीन,तल्लीन-3
37.गहन वन,बुनाई कर्म-2
38.टुकड़ा,कण-2
39.मैं का बहुवचन-2
41.भीगा हुआ-2
42.अंधकार,अंधेरा-3
43.द्रव मापने की इकाई-3
45.प्राचीर,स्तंभ-4
46.बादला,जरबाफ-4

ऊपर से नीचे

2.अधिकार-2
3.जगत,दुनिया-3
4. सुनसान शांति,-4
5.आदत-4
6.साजन, बालम-3
7.क्रमबद्धता-2
8.मूर्ख,बेवकूफ-4
11.बुनाई करने वाला-4
13.कटि,मध्यांग-3
16.धार्मिक आज्ञा-3
18.पितामह-2
20.कमर में पहनने वाला आभूषण -5
21.चलने का ढ़ंग-2
23.पिया,साजन-3
24.दया,रहम-3
26.बेमिसाल, अनूठा-4
27.स्वदेश,मातृभूमि-3
28.जनता,आम लोग -2
30.मैं का बहुवचन-2
31.अभिरुचि,तल्लीनता-3
32.जनता की राय-4
34.उपाधि,पदवी-4
35.देहरी,चौखट-4
38.कक्ष,रूम-3
40.बटाणा,काबुली-3
42.स्तर,परत-2
44.ईश्वर,खुदा,भगवान-2

शब्द पहेली - 3771 का हल

स्पोर्टस सिटी में प्राधिकरण ने लगाई शर्त

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जारी किया अधिभोग प्रमाण पत्र, 458 बायर्स को राहत

नोएडा। सेक्टर-150 स्थित एससी-02 में बने प्रोजेक्ट में छह टावर (ए-1, ए-2, बी-1, बी-2, बी-3 व सी-1) गोदरेज ब्रिक राइस के लिए अधिभोग प्रमाण पत्र जारी कर दिया है। ये निर्णय प्राधिकरण ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के क्रम में लिया। हालांकि प्राधिकरण ने इसके लिए बिल्डर पर कई शर्त भी लगाई है।

ये शर्त ब्रोशर के अनुसार निर्माण, सुरक्षा, स्पोर्ट्स एक्टिविटी, एनजीटी के नियम और टाइम एक्सटेंशन जैसी करीब 23 से ज्यादा शर्त है। इससे करीब 458 फ्लैट बायर्स की रजिस्ट्री का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि बिल्डर को स्पोर्टस सिटी में 70: 30 रेशियो रखना होगा। यानी इसके 70 प्रतिशत हिस्से में स्पोर्टस एक्टिविटी और 30 प्रतिशत में आवासीय सुविधा देनी होगी।

प्राधिकरण की इन शर्तों का करना होगा पालन

- इस अधिभोग में टॉवर के साथ लगा क्षेत्र सम्मिलित नहीं है। यह क्षेत्र स्पोर्टस सिटी परियोजना के 70 प्रतिशत का हिस्सा है।
- आवंटी संस्था द्वारा वाणिज्यिक विभाग से नियमानुसार टाइम एक्सटेंशन प्रमाण पत्र लेना होगा।
- एनजीटी में योजित प्रार्थना पत्रों के निर्णय के अनुपालन में आवंटी संस्था बाध्य है।
- नोएडा भवन नियमावली 2010, उप्र अपार्टमेंट एक्ट 2010 व 2016 उप्र रियल स्टेट रेग्यूलेटरी एक्ट 2016, पर्यावरण विभाग के सभी अधिनियमों का पालन करना होगा।
- आवंटी संस्था नेशनल बिल्डिंग कोड एनबीसी में उल्लेखित शर्तों का पालन करना होगा।
- मानचित्रों और अधिभोग प्रमाण पत्र में दर्शायी गई माप, क्षेत्रफल, पार्किंग, हरित एरिया, सुविधाएं तथा सेवाओं को पूर्व में स्वीकृति के सापेक्ष प्राधिकरण की बिना पूर्व अनुमति के स्थल पर परिवर्तन या संशोधन आदि किया जाना अनधिकृत माना जाएगा। उसे तत्काल ध्वस्त किया जाएगा।
- ब्रॉशर में दिए गए सेवाओं को पूरा करना होगा।
- योजना में शामिल में जल, विद्युत, सीवरेज, अग्निशमन, लिफ्ट, वर्षा जल प्रणाली, जल संरक्षण, रिसाइकलिंग जैसे कार्यों को हमेशा कार्यशील स्थिति में रखना होगा।
- आवंटी को योजना में बने टावर की सुरक्षा की समुचित व्यवस्था करनी होगी। किसी की जान मॉल के नुकसान की जिम्मेदारी संस्था की होगी।
- आवंटी संस्था अपने यूनिट्स उप पट्टा धारकों को प्राधिकरण से अधिभोग प्रमाण पत्र जारी होने के बाद ही फ्लैट पर कब्जा देगा।
- समायोजन शुल्क आवंटी को जमा करना होगा।
- सभी टावरों के बीच की दूसरी भवन विनियमावली के प्रावधानों के अनुरुप होगी।
- आवंटी संस्था को विजिटर कार पार्किंग की सुविधा परिसर के अंदर करनी होगी। सड़क पर कोई पार्किंग नहीं होगी।
- बेसमेंट पार्किंग में ही इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग की व्यवस्था करनी होगी।
- इंटरनेट के लिए इंफ्रास्ट्रचर उपलब्ध कराना होगा।
- आशंक अधिभोग इस शर्त पर जारी किया जा रहा है कि दो महीने के अंदर परियोजना की सर्विसेज जिसमें सिवरेज, वाटर सप्लाई, ड्रेनेज, विद्युत, रोड, ग्रीन व ब्रोशर के तहत दिए गए क्षेत्र का डिमार्केशन का सत्यापन परियोजना विभाग से प्राप्त किया जाएगा।
- उप्र अपार्टमेंट एक्ट 2020 के अनुसार आवंटी संस्था को डीओडी एक महीने के अंदर वाणिज्यिक विभाग में उपलब्ध कराते हुए उसकी एक प्रति नियोजन विभाग में देनी होगी।

नोएडा में निक्की हत्याकांड में सास की जमानत याचिका खारिज

नोएडा। सिरसा गांव में निक्की हत्याकांड में अरोपी सांस दया की जमानत याचिका को अदालत ने खारिज कर दी है। 21 अगस्त 2025 को सिरसा गांव में निक्की को जलाकर हत्या करने का आरोप लगा था। पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपी पति विपिन, सास दया जेठ रोहित और ससुर सतवीर के खिलाफ मुकदमा दर्ज गिरफ्तार किया था। जेठ रोहित को हाइकोर्ट से जमानत मिल गई है। बाकी जेल में बंद है।

पुलिस इस मामले में कोर्ट चार्जशीट फाइल कर चुकी है। चार्जशीट दाखिल होने के बाद आरोपी पक्ष के वकील ने कोर्ट ने सास दया की जमानत के लिए प्रार्थना पत्र लगाया था।

बुधवार को सत्र न्यायालय में सुनवाई हुई। निक्की भाटी पक्ष के वकील उधम सिंह तोंगड़ और संतोष बसंल ने बताया कि अदालत ने आरोपी पक्ष की दलील को खारिज कर जमानत याचिका को निरस्त कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि मामला गंभीर है। ऐसे में आरोपी को रिहा करना ठीक नहीं होगा।

500 पेज की चार्जशीट फाइल की थी

ग्रेटर नोएडा के सिरसा गांव में विवाहित निक्की भाटी को जलाकर हत्या करने के सनसनीखेज मामले में कासना कोतवाली पुलिस ने अदालत में 500 पन्नों से अधिक की विस्तृत चार्जशीट दाखिल की थी। पुलिस ने इस मामले में निक्की के पति विपिन भाटी, जेठ रोहित भाटी, सास दया और ससुर सत्यवीर को आरोपी बनाया है। आरोप है कि चारों ने आपराधिक षड्यंत्र रचकर हत्या को अंजाम दिया।

चार्जशीट के मुताबिक, आरोपी निक्की और उसकी बहन के इंस्टाग्राम पर वीडियो बनाने से नाराज थे। परिवार के विरोध के बाद भी जब निक्की वीडियो बनाना नहीं मानी, तो ससुराल पक्ष के लोगों ने उसे मारपीट कर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी। ऐसे में कोर्ट ने इस मामले को गंभीर प्रवृत्ति का माना और जमानत याचिका को खारिज कर दिया गया।

शार्ट न्यूज

नोएडा में कपड़े से भरे ट्रक में लगी आग

नोएडा। नोएडा के चोटपुर पुश्ता के पास एक ट्रक में गुरुवार शाम चार बजे के आसपास आग लग गई। ट्रक में कपड़े की कतरन भरी थी। आग तेजी से फैली जिससे ट्रक जलकर राख हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस और दमकल विभाग को दी। मौके पर दमकल की दो गाड़ियों को रवाना किया गया। करीब 30 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। घटना थाना सेक्टर-63 की है। चोटपुर पुश्ता रोड के पास कपड़ों की कतरन का काम होता है। वहीं ट्रक खड़ा था। ट्रक में पीछे कपड़ों की कतरन भरी थी। इसी में कोई ज्वलनशील पदार्थ आकर गिरा। जिससे पहले आग सुलगने लगी और फिर तेजी से बढ़ी। मौजूद लोगों ने आग को बुझाने का प्रयास किया। इसके बाद दमकल विभाग को जानकारी दी। दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। साथ ही आसपास भी पानी का छिड़काव किया। क्योंकि कतरन के चिनगारी वहां तक जा रही थी। आग से कोई जनहानि नहीं है।

नोएडा में युवती से रेप

नोएडा। नोएडा के फेज-3 में शादी का झांसा देकर होटल में युवती से रेप करने का मामला सामने आया है। पीड़िता दिल्ली की रहने वाली है। पुलिस ने उसकी तहरीर पर केस दर्ज कर लिया है। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, पीड़िता दिल्ली के जैतपुर थाना क्षेत्र की रहने वाली है। उसने जैतपुर थाने में शून्य अपराध संख्या पर एफआईआर दर्ज कराई थी। विवेचना के लिए एफआईआर ट्रांसफर होकर आई है। एफआईआर में पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह नोएडा की एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करती है। करीब एक साल पहले उसकी मुलाकात बिसरख थाना क्षेत्र निवासी एक युवक से हुई थी। दोनों के बीच शुरुआत में दोस्ती हुई। धीरे-धीरे करके दोनों के बीच प्रेम संबंध स्थापित हो गए। आरोप है कि युवक ने उसे शादी का झांसा दिया। वह सेक्टर-66 स्थित मामूरा गांव के एक होटल में उसे ले गया। जहां उसने रेप किया। इसके बाद जब युवती ने उससे शादी करने के लिए कहा तो वह मुकर गया। उसने फोन से संपर्क तोड़ लिया। पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर जांच की जा रही है। जांच के बाद आरोपी के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी।

खुर्जा-जेवर मार्ग चौड़ीकरण कार्य शुरू

जेवर। जेवर क्षेत्र के विकास को नई दिशा देते हुए खुर्जा-जेवर मार्ग के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण कार्य का गुरुवार को विधिवत शुभारंभ किया गया। इस बहुप्रतीक्षित परियोजना पर लगभग 40 करोड़ रुपये की लागत आएगी। मार्ग के चौड़े और मजबूत होने से क्षेत्र की यातायात व्यवस्था में बड़ा सुधार होगा। यह परियोजना नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी को और अधिक सुदृढ़ करेगी। भूमि पूजन का कार्यक्रम वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विधि-विधान से संपन्न हुआ। जेवर ब्लॉक प्रमुख श्रीमती मुन्नी देवी पहाड़िया ने पूर्ण आहुति देकर निर्माण कार्य की शुरुआत कराई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे। कार्यक्रम में उपस्थित जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने कहा कि खुर्जा-जेवर मार्ग वर्षों से क्षेत्र की प्रमुख आवश्यकता रहा है। इसके चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण से आवागमन अधिक सुरक्षित, सुगम और तेज होगा। उन्होंने बताया कि इस मार्ग के बेहतर होने से नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट तक पहुंच आसान हो जाएगी, जिससे किसानों, व्यापारियों और उद्योगों को सीधा लाभ मिलेगा।

नोएडा में शुरू हुई प्रो रेसलिंग लीग

नोएडा। नोएडा में आज से प्रो रेसलिंग लीग का आगाज किया गया। इसका शुभारंभ रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के पूर्व प्रेसिडेंट बृज भूषण शरण सिंह ने किया। इस मौके पर डब्ल्यू एफआई के संजय सिंह, प्रमोटर सीईओ अखिल गुप्ता मौजूद रहे। रेसलिंग में ओलिंपिक पदक विजेता सहित विश्व चैंपियन पहलवान भी हिस्सा ले रहे है। पहला मुकाबला पंजाब रॉयल्स और यूपी डोमिनेटर्स के बीच खेला गया। इसके बाद प्रत्येक दिन दो मुकाबले होंगे। एक फरवरी को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। सभी मुकाबले शाम छह से आठ बजे के बीच खेले जाएंगे। रेसलिंग में देल्ही दंगल वारियर्स, पंजाब रॉयल्स, टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल्स, यूपी डोमिनेटर्स, महाराष्ट्र केसरी और हरियाणा थंडर्स की टीम हिस्सा ले रही है। इसके अलावा इसमें कई देशों के पहलवान भी हिस्सा ले रहे है। जिनको निलामी के जरिए खरीदा गया है। पहली बार प्रो रेसलिंग लीग का आयोजन 2015 में हुआ था। 2019 तक चार बार इसका आयोजन हुआ।

बस की टक्कर से घायल महिला ने दम तोड़ा

नोएडा। फेज-2 में बस की टक्कर से पैदल जा रही महिला घायल हो गई। अस्पताल में उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। महिला के पति ने थाने में बस चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। सेक्टर-82 स्थित भंगेल सलारपुर गांव में रहने वाले विजय कुमार ने पुलिस को बताया कि वह नौ जनवरी को पत्नी सुचिता के साथ पैदल जा रहे थे। एनएसइजेड मेट्रो स्टेशन के पास दिल्ली नंबर की बस ने सुचिता को टक्कर मार दी। हादसे में विजय कुमार बाल-बाल बच गए। उन्होंने लहूलुहान हालत में पत्नी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई ।बस चालक टक्कर मारने के बाद फरार हो गया। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि विजय की शिकायत पर बस चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। घटनास्थल और उसके आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज से बस चालक की पहचान की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

13 औद्योगिक भूखंडों का आवंटन निरस्त

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने भूखंड आवंटन के वर्षों बाद भी उद्योग शुरू नहीं करने पर कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी कड़ी में प्राधिकरण ने औद्योगिक श्रेणी के 13 भूखंडों का आवंटन निरस्त कर दिया। इस कार्रवाई से अन्य आवंटियों की परेशानी बढ़ सकती है। ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के अधिकारी के मुताबिक आवंटित भूखंड पर कब्जा दिए जाने के बाद भी उद्योग शुरू नहीं शुरू करने वाले आवंटियों की सूची तैयार की गई है। इसके आधार पर जांच की जा रही है। वर्ष 2008 में आवंटित 13 भूखंडों का आवंटन निरस्त कर दिया गया है। आवंटियों ने कई बार नोटिस जारी होने के बाद भी काम शुरू नहीं किया था ।उच्चाधिकारियों के निर्देश पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव ने बताया कि भूखंड लेकर निर्माण नहीं करने वालों पर कार्रवाई की गई है। अन्य भूखंडों की भी जांच की जा रही है। ऐसे आवंटियों पर कार्रवाई जारी रहेगी।

ग्रेनो के दो गांवों में निर्बाध आपूर्ति के लिए बनाए जाएगा नया फीडर

नोएडा। विद्युत निगम द्वारा ग्रेटर नोएडा वेस्ट के दो गांवों के उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति देने के लिए बिजली उपकेंद्र पर नया फीडर बनाया जाएगा। इस फीडर लाइन को बनाने का विद्युत निगम ने मार्च 2026 तक का लक्ष्य रखा है। हालांकि विद्युत निगम का प्रयास है कि फीडर लाइन के बनाने का कार्य फरवरी 2026 तक ही पूरा कर लिया जाए। विद्युत निगम के अधीक्षण अभियंता विवेक कुमार पटेल ने बताया कि इटैरा में 33/11 केवी का बिजली उपकेंद्र है। इस उपकेंद्र से ग्रेटर नोएडा वेस्ट के रोजा जलालपुर और रोजा याकूबपुर गांव को बिजली आपूर्ति जाती है ।लाइन पर भार अधिक होने की वजह से दोनों गांवों में उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति देने में दिक्कतें आती है। गर्मी में बिजली की मांग बढ़ने से निर्बाध आपूर्ति देने में दिक्कतें आती है। इस तरह की समस्या को देखते हुए विद्युत निगम ने इटैरा बिजली उपकेंद्र पर नया फीडर बनाने का कार्य शुरू कर दिया है। बिजली उपकेंद्र से दोनों गांवों को निर्बाध आपूर्ति देने के लिए नई फीडर लाइन भी बनाई जाएगी। इस लाइन को मार्च 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा। इससे दोनों गांवों के 3500 उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति मिलेगी। उन्होंने बताया कि उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति देने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उसी को ध्यान में रखते हुए बिजली ढ़ांचे को सुधरने और मजबूत करने का कार्य किया जा रहा है।

ग्रेटर नोएडा सोसाइटी बालकनी में मिला युवक का शव

पुलिस हत्या-आत्महत्या के एंगल पर कर रही है जांच

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र स्थित पैरामाउंट सोसाइटी में एक युवक का शव गुरुवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है।

उसका शव सोसाइटी की दूसरी मंजिल की बालकनी में पड़ा हुआ मिला, जिसके बाद पुलिस ने हत्या और आत्महत्या दोनों एंगल से जांच शुरू कर दी है।

मृतक की पहचान सिकंदराबाद के निजामपुर गांव निवासी 20 वर्षीय मनीष पुत्र लीले के रूप में हुई है। मनीष बुधवार को अपने दोस्तों से मिलने के लिए सोसाइटी आया था और रात के समय वह ओक टावर की 19वीं मंजिल पर स्थित दोस्तों के फ्लैट में रुका था। वह हाईस्कूल पास था और गांव में खेती का काम करता था।

बताया गया है कि मनीष ने दोस्तों के साथ पार्टी की और फिर दूसरे कमरे में सोने चला गया। गुरुवार सुबह उसका शव दूसरी मंजिल की बालकनी में मिलने से सनसनी फैल गई। घटना के बाद से मनीष के दोस्त कथित तौर पर फरार बताए जा रहे हैं।

निठारी गांव के इंजीनियर से 18 लाख की ठगी

साइबर ठगों ने दिया 30 प्रतिशत मुनाफे का झांसा, पोर्टफोलियो में दिखाया 80 लाख का लाभ

नोएडा। नोएडा के सेक्टर 20 थाना क्षेत्र के निठारी गांव में रहने वाले इंजीनियर नर्मदेश्वर झा साइबर ठगों के शिकार हो गए। ठगों ने उन्हें शेयर बाजार में निवेश के नाम पर लगभग 18 लाख रुपए ठग लिए।

शुरुआत में हुआ मामूली मुनाफा

पीड़ित ने बताया कि 16 दिसंबर 2025 को एक अनिल गोयल नाम के व्यक्ति ने उनसे संपर्क किया और खुद को शेयर बाजार का एक्सपर्ट बताया। ठगों ने उन्हें एक एप के जरिए निवेश कर 30त्न तक मुनाफा दिलाने का दावा किया। पहली बार में इंजीनियर ने 50 हजार रुपए निवेश किए, और कुछ दिनों में साढ़े सात हजार रुपए का मुनाफा दिखा, जो बैंक खाते में ट्रांसफर हुआ। इससे इंजीनियर का भरोसा बढ़ गया।

लगातार रकम ट्रांसफर करते गए इंजीनियर

इंजीनियर ने 8 जनवरी तक कई किश्तों में कुल 18 लाख रुपए ठगों के बताए अलग-अलग बैंक खातों में भेज दिए। एप पर उनका पोर्टफोलियो 80 लाख रुपए से ज्यादा का दिखने लगा।

पैसे निकालने पर खुला सच

पूरी रकम निकालने की कोशिश करने पर ठगों ने कर और ट्रांसफर फीस के नाम पर और रकम मांगी। शंका होने पर जब इंजीनियर ने पैसे नहीं भेजे, तो ठगों ने संपर्क तोड़ दिया।

पुलिस ने की कार्रवाई का आश्वासन

पीड़ित ने एनसीआरपी पोर्टल और साइबर क्राइम थाना में शिकायत दर्ज कराई। साइबर क्राइम थाना प्रभारी विजय सिंह राणा ने बताया कि शिकायत के आधार पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी। अगर चाहें तो मैं इसे डिजिटल न्यूज़ वर्जन (100-120 शब्द) में भी तैयार कर दूँ, ताकि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर जल्दी पढ़ा जा सके।

ग्रेटर नोएडा में गांजा तस्करी गिरोह का पर्दाफाश

103 किलो गांजा बरामद, तीन गिरफ्तार; यूनिवर्सिटी-कॉलेज में होती थी सप्लाई

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा की नॉलेज पार्क थाना पुलिस ने गांजा तस्करी करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस गिरोह के तीन तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 103 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत करीब 25 लाख रुपये बताई जा रही है। यह गिरोह ओडिशा से गांजा लाकर दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र की बड़ी-बड़ी यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में छात्रों को सप्लाई करता था। एडिशनल डीसीपी सुधीर कुमार ने गुरुवार को नॉलेज पार्क थाने में एक प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी।

जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में नॉलेज पार्क थाना पुलिस एक्सपो मार्ट के पास वाहनों की चेकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान एक पीली नंबर प्लेट वाली एक्सेंट कार को रोका गया, जिसमें भारी मात्रा में गांजा मिला। पुलिस ने मौके से नोएडा निवासी रिंकू यादव और अभिषेक कुमार, तथा गाजियाबाद निवासी संदीप साहू को गिरफ्तार किया।

एडिशनल डीसीपी सुधीर कुमार ने बताया कि गिरफ्तार तीनों आरोपी शातिर गांजा तस्कर हैं। वे ओडिशा से किराए के ट्रकों में गांजा भरकर लाते थे और दिल्ली-एनसीआर में किराए के कमरों में इसे स्टोर करते थे। बाद में, वे दिन में किराए की टैक्सियों का उपयोग करके विभिन्न स्थानों पर गांजे की बिक्री करते थे।

पुलिस ने घटना में प्रयुक्त वाहन भी बरामद कर लिया है। यह गांजा नोएडा और ग्रेटर नोएडा की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी तक भी पहुंचाया जाता था। पुलिस फिलहाल आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटा रही है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में महिला से चेन लूट

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में एक महिला से चेन लूट का वीडियो सामने आया है। यह घटना बिसरख थाना क्षेत्र की अरिहंत अंबर सोसाइटी के मुख्य गेट के सामने हुई। वीडियो में एक बदमाश महिला के गले से चेन छीनकर बाइक से फरार होता दिख रहा है। यह वारदात 25 दिसंबर को हुई थी, लेकिन इसका वीडियो अब वायरल हुआ है। घटना उस समय हुई जब दो महिलाएं बाजार से सोसाइटी में प्रवेश कर रही थीं। पीछे से बाइक पर सवार एक व्यक्ति आया और उसने पीछे चल रही महिला की चेन छीन ली। चेन टूटते ही महिला सहम गई और अपने गले में चेन देखने लगी। जब तक वह कुछ समझ पाती, बदमाश मौके से फरार हो चुका था। यह पूरी घटना सोसाइटी के मुख्य गेट पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज में बाइक सवार बदमाश द्वारा महिला से चेन लूटते हुए साफ देखा जा सकता है।

ग्रेटर नोएडा : बहू पर 1.19 करोड़ के गहने हड़पने का आरोप

कोर्ट के आदेश पर बहू समेत 7 लोगों पर मुकदमा दर्ज

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के बीटा 2 थाना क्षेत्र में एक सास ने अपनी बहू पर करीब 1.19 करोड़ रुपये के कीमती गहने और सामान लेकर विदेश चले जाने का गंभीर आरोप लगाया है। इस मामले में अब कोर्ट के आदेश के बाद बीटा 2 थाने में बहू, उसके माता-पिता और अन्य परिजनों सहित कुल सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

अल्फा 2 सेक्टर निवासी शिखा उपाध्याय ने अदालत में दर्ज कराई शिकायत में बताया कि उनके बेटे अभिषेक की शादी 20 फरवरी 2023 को हरियाणा के करनाल जिले के सूरजनगर निवासी जयवीर सिंह की बेटी शिखा से हुई थी। पीड़िता के अनुसार, शादी पूरी तरह दहेज रहित थी, लेकिन इसके बावजूद बहू और उसके मायके वालों ने दबाव बनाकर शादी के समय बड़ी मात्रा में गहने चढ़वाए थे।

शिकायत में कहा गया है कि शादी के दौरान बहू के पक्ष ने लगभग 670 ग्राम सोने और करीब चार किलो चांदी के गहने लिए थे। इसके अलावा, अन्य कीमती जेवर और सामान भी बहू के पास था। पीड़िता के पति संजीव कुमार की ज्वेलरी की दुकान है, जिसके कारण घर में पहले से भी आभूषण मौजूद थे। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद बहू का व्यवहार बदलने लगा। जब उससे घरेलू काम करने को कहा गया, तो वह कहती थी कि वह नौकरानी बनने नहीं आई है, बल्कि विदेश जाकर नौकरी करेगी। इसी दौरान घर में तनाव बढ़ने लगा। उनके अनुसार, 29 मई 2023 को बहू गहने और अन्य कीमती सामान लेकर मायके चली गई।

ग्रेटर नोएडा में वर्षों पुराना नीम का पेड़ काटा

- यमुना प्राधिकरण सेक्टर-33 में पर्यावरण को नुकसान, 5 पर केस दर्ज

एजेंसी

जेवर। ग्रेटर नोएडा के रबपुरा कोतवाली क्षेत्र में पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने का मामला सामने आया है।

यमुना प्राधिकरण के सेक्टर-33 में स्थित वर्षों पुराने विशाल नीम के पेड़ को अवैध रूप से काट दिया गया। इस मामले में पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

चौकीदार की शिकायत पर दर्ज हुआ केस

मुरादगढ़ी गांव निवासी हरिश्चंद्र ने रबपुरा कोतवाली में तहरीर दी है। हरिश्चंद्र रबपुरा कोतवाली में चौकीदार के पद पर तैनात हैं। उन्होंने बताया कि गांव के पास स्थित यह पुराना नीम का पेड़ बुधवार रात चोरी-छिपे काट दिया गया।

हरियाणा के रहने वाले बताए जा रहे आरोपी

तहरीर के मुताबिक, फरमान, आसिफ, अजरुद्दीन, सलमान और साकिब, जो हरियाणा के निवासी बताए जा रहे हैं, ने मिलकर इस नीम के पेड़ को काटा।

यह पेड़ ग्रामीणों के लिए छाया और शुद्ध हवा का प्रमुख स्रोत था और पर्यावरण की दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण माना जाता था।

आरोपियों की तलाश में पुलिस

हरिश्चंद्र की शिकायत के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों की तलाश की जा रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

हाथरस अर्बन सिटी का तैयार होगा मास्टर प्लान-2041

तेलंगाना की कंपनी का चयन, 4 हजार हेक्टेयर में बनेगी, नौ महीने में बनेगा प्लान

नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण वेस्ट यूपी में हाथरस अर्बन सिटी बसाने जा रहा है। इसके लिए विस्तृत मास्टर प्लान तैयार किया जाएगा। जिसकी जिम्मेदारी तेलंगाना की आरवी इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स लिमिटेड को सौंपी है।

यह ग्रीनफील्ड अर्बन सेंटर लगभग 4,000 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित किया जाएगा और इसका मास्टर प्लान साल 2041 तक की विकास रूपरेखा तय करेगा।

अधिकारियों के अनुसार, कंसल्टेंट का चयन बोली के जरिए किया गया। जिसमें तीन कंपनियों ने हिस्सा लिया था। आरवी इंजीनियरिंग ने 1.25 करोड़ रुपए की सबसे कम बोली लगाई, जबकि गरुड़ यूएवी सॉफ्ट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड और एलईए एसोसिएट्स साउथ एशिया प्राइवेट लिमिटेड की वित्तीय बोलियां इससे अधिक रहीं।

यह मास्टर प्लान यमुना एक्सप्रेसवे मास्टर प्लान के फेज-2 के तहत हाथरस अर्बन सेंटर के लिए तैयार किया जाएगा।

प्रस्तावित योजना क्षेत्र 2,000 से 4,000 हेक्टेयर के बीच होगा। परियोजना सीमा में होने वाले किसी भी बदलाव को भी कंसल्टेंट के कार्यक्षेत्र में शामिल किया गया है।

जीआईएस फार्मेट में बनेगा मास्टर प्लान

- मास्टर प्लान को RDPFI गाइडलाइंस 2014, यूपी इंडस्ट्रियल एरिया डेवलपमेंट एक्ट, 1976 और अन्य लागू राज्य व केंद्र सरकार के नियमों के अनुरूप तैयार किया जाएगा। यह योजना ल्रढ्ढस् फॉर्मेट में विकसित होगी।
- जिसमें औद्योगिक विकास की संभावनाओं, जनसंख्या अनुमान, बुनियादी ढांचे की जरूरतों, प्राकृतिक संसाधनों और पर्यावरणीय स्थिरता को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र की कैरींग कैपेसिटी का आकलन किया जाएगा।
- परियोजना के प्रमुख घटकों में मौजूदा स्थिति का अध्ययन, भविष्य की जनसंख्या और रोजगार का अनुमान, इन्फ्रास्ट्रक्चर और यूटिलिटी सिस्टम का मूल्यांकन, जोनिंग और भूमि उपयोग योजना तैयार करना शामिल है।

इसके अलावा डिजास्टर मैनेजमेंट प्लान, स्व-वित्तपोषित इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के प्रस्ताव, शहरी डिजाइन दिशानिर्देश।

- जल संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, भूमि उपयोग व घनत्व के अनुकूलन जैसे विकास पहलुओं पर विशेष जोर दिया जाएगा।

साथ ही, जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट जैसे क्षेत्रीय विकास कारकों को भी ध्यान में रखा जाएगा, जिससे यीडा क्षेत्र में शहरीकरण की दिशा और गति प्रभावित होने की संभावना है।

नौ महीने में तैयार होगा प्लान

अधिकारियों ने बताया कि परियोजना की अवधि नौ माह तय की गई है, जिसमें अंतिम वैधानिक स्वीकृति का समय शामिल नहीं होगा। कार्य की शुरुआत 15 दिनों के अंदर इंसेप्शन रिपोर्ट से होगी, इसके बाद मौजूदा स्थिति का आकलन, विजन प्लानिंग, ड्राफ्ट मास्टर प्लान, हितधारकों से परामर्श और अंत में यीडा व अन्य सक्षम प्राधिकरणों की मंजूरी के बाद मास्टर प्लान 2041 को अंतिम रूप दिया जाएगा।

सहारनपुर में दलित छात्र की हत्या, लाश ट्रैक पर फेंकी

पायलट ने बोरी देख पुलिस बुलाई; पिता बोले- गर्लफ्रेंड के घरवालों ने मर्डर किया

सहारनपुर। सहारनपुर में 14 साल के दलित लड़के की हत्या कर दी गई। हत्यारों ने हत्या को सुसाइड दिखाने के लिए लाश को बोरे में भरकर रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया। लोको पायलट ने ट्रैक पर बोरी देखकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बोरी खुलवाई, जिसमें लाश पड़ी थी।

लाश मिलने की सूचना पर परिजन पहुंचे और मयंक के रूप में शव की पहचान की। पिता का आरोप है कि बेटे का एक लड़की के साथ अफेयर चल रहा था।

लड़की ने ही उसे धोखे से मिलने बुलाया, इसके बाद उसकी चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई, फिर शव को फेंक दिया। पिता ने चार लोगों के खिलाफ हत्या की तहरीर दी है। पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। घटना बुधवार रात की है।

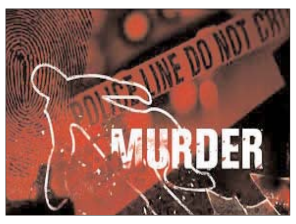

जानिए पूरा मामला

देवबंद कोतवाली क्षेत्र के गांव अलीपुर निवासी रूपचंद किसान हैं। उन्होंने बताया- मेरा बेटा मयंक देवबंद के एक इंटर कॉलेज में नौवीं में पढ़ता था। उसका अपनी ही जाति की एक युवती से प्रेम प्रसंग था। बुधवार देर रात 12: 45 बजे बेटे को लड़की के घर से फोन आया। फोन करने वाले शख्स ने उसे तुरंत मिलने के लिए बुलाया। घरवालों को लगा कि किसी परिचित का फोन है, इसलिए उन्होंने बेटे से ज्यादा पूछताछ नहीं की।

फोन पर बातचीत के बाद मयंक घर से निकल गया। काफी देर तक बेटा लौटकर नहीं आया, तो परिजनों को शक हुआ।

वे उसकी तलाश करने लगे। पुलिस को भी सूचना दी गई। थोड़ी देर बाद पुलिस का फोन आया कि रेलवे ट्रैक पर एक बच्चे की लाश मिली है, पहचान के लिए आ जाएं। वहां जाकर देखा तो बोरे के अंदर बेटे की लाश छिपाई गई थी। उसके शरीर से खून बह रहा था। पहले उसकी पिटाई की गई थी, उसके बाद चाकू से गोदकर हत्या की गई। रेलवे ट्रैक पर खून के निशान पड़े थे। हत्यारों ने इसे सुसाइड का रूप देने के लिए हत्या के बाद लाश को बोरी में भरकर ट्रैक पर रख दिया था, ताकि देखने से लगे कि उसने आत्महत्या की है।

पुलिस ने बोरा खोला तो शव मिला

पुलिस के अनुसार, रात में रेलवे ट्रैक से गुजर रही एक ट्रेन के लोको पायलट ने ट्रैक के पास संदिग्ध बोरा पड़ा देखा। शक होने पर उसने तुरंत रेलवे अधिकारियों और पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। जब बोरे को खोला गया, तो अंदर खून से सनी डेडबॉडी मिली। पहचान होने के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

एसपी देहात सागर जैन का कहना है कि देर रात किशोर का शव रेलवे ट्रैक के पास पड़ा मिला था। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। तहरीर आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है। 2 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी की जा रही है।

दियोरिया-बीसलपुर हाईवे पर बेलगाम ई-रिक्शा, बिना नंबर प्लेट दौड़ रहे सैकड़ों वाहन

दियोरिया। दियोरिया-बीसलपुर हाईवे पर इन दिनों बिना नंबर प्लेट के ई-रिक्शा खुलेआम दौड़ रहे हैं और यातायात नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। ये वाहन न सिर्फ अवैध रूप से सवारियां भर रहे हैं बल्कि आम लोगों की जान के लिए भी बड़ा खतरा बनते जा रहे हैं।

हैरानी की बात यह है कि ऐसे कई ई-रिक्शा दियोरिया कोतवाली गेट के सामने से रोज गुजरते हैं, फिर भी कोई रोक-टोक नजर नहीं आती।स्थानीय लोगों का कहना है कि सुबह से देर शाम तक दर्जनों ई-रिक्शा बिना किसी पहचान के फर्राटा भरते दिखाई देते हैं। न इनमें नंबर प्लेट लगी है, न ही वाहन स्वामी का नाम या मोबाइल नंबर

लिखा है। कुछ में नंबर प्लेट है भी तो इतनी धुंधली कि उसे पढ़ पाना संभव नहीं। ऐसे में अगर कोई हादसा हो जाए तो जिम्मेदारी तय करना मुश्किल हो जाता है।

हाईवे पर ओवरलोडिंग, गलत दिशा में चलना और तेज रफ्तार आम बात हो गई है। कई बार बाइक सवार, स्कूली बच्चे और बुजुर्ग इनसे बाल-बाल बचते हैं। इसके बावजूद परिवहन विभाग और यातायात पुलिस की चुप्पी लोगों को हैरान कर रही है। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि बिना नंबर प्लेट और अवैध रूप से चल रहे ई-रिक्शा के खिलाफ तत्काल सख्त अभियान चलाया जाए, ताकि किसी बड़े हादसे से पहले व्यवस्था सुधारी जा सके। प्रशासन की यह अनदेखी कहीं भारी न पड़ जाए यही अब सबसे बड़ी चिंता है।

झांसी में निकला 16 फीट लंबा अजगर

झांसी। झांसी में सड़क किनारे झाड़ियों में लगभग 16 फीट लंबा अजगर निकला। विशाल अजगर ने किसी जंगली जानवर को निगल लिया था, इसलिए वो भाग नहीं पाया। अजगर को देखने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। लोग सड़क पर ही अपने वाहनों को खड़ा करके सांप को देखने पहुंच गए। इससे सड़क पर लगभग 3 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। पुलिस ने वन विभाग की टीम के साथ मिलकर सांप को जंगल में छोड़ा।

बोलेरो ने ऑटो में बैठे युवक को उड़ाया, मौत

अमरोहा। अमरोहा में बेकाबू बोलेरो ने ऑटो में बैठे एक युवक को साइड से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि युवक 10 फीट से ज्यादा दूरी पर उछलकर गिरा। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के वक्त ऑटो हाईवे-9 के किनारे सर्विस रोड से जा रहा था। ऑटो में बैठा युवक चालक के बगल में पैर लटकाकर बैठा हुआ था। टक्कर के बाद कार चालक फुल स्पीड में गाड़ी भगाकर मौके से फरार हो गया। हादसा बिजोरा ढाल के पास मंगलवार रात को हुआ। इसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। पुलिस को मिली सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक, करीब रात 9 बजे गजरौला से बृजघाट की ओर जा रहे ऑटो चालक ने बिजोरा ढाल के पास सीएनजी पंप से गैस भरवाई। इसके बाद ऑटो सर्विस लेन से जा रहा था। ऑटो में चालक समेत 9 लोग सवार थे। 5 लोग पीछे की सीट पर बैठे थे, जबकि 3 लोगों को चालक ने अपने पास बिठाया। इनमें दो लोगों को उसके बायीं ओर बैठे थे। जबकि, दाईं ओर बिजोरा गांव का रहने वाला जितेंद्र पैर बाहर की ओर लटकाकर बैठा था।

नाबालिग से दुष्कर्म के वांछित को पुलिस ने किया गिरफ्तार

ललितपुर । तालबेहट पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में वांछित को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक, मो0 मुश्ताक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी तालबेहट रक्षपाल सिंह के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना तालबेहट पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 441/2025 धारा 87/137(2)/64(1) बीएनएस व 3/4 पॉक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त-दीपचन्द्र कुशवाहा पुत्र लक्ष्मन कुशवाहा उम्र 23 वर्ष नि0ग्राम बरौदाडांग थाना बार जनपद ललितपुर को नियमानुसार गिरफ्तार मा0 न्यायालय भेजा गया है। गिरफ्तार करने वाली टीम प्रभारी निरीक्षक मनोज मिश्रा उ. नि. दयाशंकर सिंह उ. नि. दिग्विजय सिंह म. कां. ज्योति आदि शामिल रहे।

सीएचसी बरखेड़ा में मानवता हुई शर्मसार, 8 घंटे बाद गर्भवती को मिली राहत

आठ घंटे गैलरी में जमीन पर पड़ा रहा दर्द, सुबह जागा अस्पताल प्रशासन, लापरवाही करने वाले स्टाफ पर गिरी गाज

पीलीभीत। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बरखेड़ा में स्वास्थ्य सेवाओं की लापरवाही और स्टाफ की संवेदनहीनता का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। प्रसव पीड़ा से जूझ रही गर्भवती महिला को अस्पताल पहुंचने के बावजूद पूरी रात वार्ड में भर्ती नहीं किया गया। महिला को करीब आठ घंटे तक वार्ड के बाहर गैलरी में जमीन पर लेटकर दर्द सहना पड़ा। सुबह मामला संज्ञान में आने पर पहुंचे सीएचसी अधीक्षक ने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए महिला को वार्ड में भर्ती कराया और दोषी स्टाफ को फटकार लगाई।

बरखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव मोहम्मदगंज अमखिरिया निवासी सोनू बुधवार की रात करीब दो बजे अपनी पत्नी पूनम को प्रसव पीड़ा होने पर सीएचसी बरखेड़ा लेकर पहुंचे थे।

परिजनों का आरोप है कि ड्यूटी पर तैनात स्टाफ नर्सों ने केवल महिला का नाम दर्ज कर औपचारिकता निभाई, लेकिन न तो वार्ड में भर्ती किया गया और न ही कोई चिकित्सकीय देखरेख शुरू की गई।

इलाज न मिलने पर गर्भवती महिला को परिजनों द्वारा घर से लाए गए बिस्तर पर वार्ड के सामने गैलरी में जमीन पर ही लिटा दिया गया। पूरी रात महिला दर्द से कराहती रही और परिवार की महिलाएं भी उसके पास बैठकर समय काटती रहीं। परिजनों का कहना है कि सुबह करीब पांच बजे ड्यूटी पर मौजूद एक स्टाफ नर्स भी अस्पताल से चली गई, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई।

मामले की जानकारी मिलने पर सुबह करीब 11 बजे प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. लोकेश गंगवार सीएचसी पहुंचे। उन्होंने तत्काल महिला वार्ड जाकर गर्भवती को भर्ती कराया और आवश्यक चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही लापरवाही बरतने वाले स्टाफ को कड़ी चेतावनी देते हुए भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति न होने की हिदायत दी।

इस घटना ने एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति को उजागर कर दिया है। प्रसव जैसी संवेदनशील स्थिति में भी यदि गर्भवती महिलाओं को समय पर इलाज न मिले, तो यह व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। स्थानीय लोगों ने मामले की उच्चस्तरीय जांच कर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

बिलगांव देशनगर गोटिया संपर्क मार्ग का राज्य मंत्रीन किया शिलान्यास

भाजपा सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए निरंतर प्रयास कर रही है : संजय सिंह गंगवार

पीलीभीत। गन्ना विकास एवं चीनी मिल राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार ने गुरुवार को मरौरी ब्लॉक क्षेत्र में ग्राम बिलगांव से देशनगर गोटिया होते हुए गणेशपुर गोटिया तक बनने वाले संपर्क मार्ग का शिलान्यास किया। लगभग एक किलोमीटर लंबाई के इस एसीसी (सीसी) मार्ग के निर्माण पर करीब 20.87 लाख रुपये की लागत आएगी। संपर्क मार्ग के निर्माण से क्षेत्र के कई गांवों के ग्रामीणों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। लंबे समय से खराब मार्ग के कारण लोगों को आने-जाने में दिक्कतों

का सामना करना पड़ता था, जो अब दूर होगी।

शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान राज्य मंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। गांवों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क निर्माण कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ कराया जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस अवसर पर ग्राम बिलगांव के ग्राम प्रधान गंगा प्रसाद, देशनगर ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान मानसिंह, गोटिया ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान नरेंद्र कुमार वर्मा, ब्लॉक प्रतिनिधि ओमप्रकाश वर्मा, हरिशंकर, वेद प्रकाश, थान सिंह मौर्य सहित भाजपा के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कानपुर में वाटर पार्क घूमने गई सगी बहनों से छेड़छाड़

कानपुर। कानपुर में शोहदों की दुस्साहस का मामला सामने आया है। वाटर पार्क घूमने पहुंची सगी बहनों से 8-10 शोहदों ने छेड़छाड़ की। विरोध किया तो शोहदों ने सरेआम दुपट्टा खींच लिया। तेजाब डालने और वीडियो बनाकर वायरल की धमकी दी। युवतियों के शोर मचाने पर पार्क में घूम रहे लोग आगे आए तो आरोपी धमका कर कार में बैठकर भाग निकले। घर पहुंचने पर डरी-सहमी बहनों ने परिजनों को आपबीती बताई। तब जाकर उनकी मां ने आरोपियों के खिलाफ बुधवार रात नौबस्ता थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। तौधकपुर दीनदयालपुरम क्षेत्र की रहने वाली पीड़िता की मां ने बताया- मंगलवार को मेरी 19 और 14 साल की दो बेटियां अपने पांच छोटे भाई-बहनों के साथ आवास विकास हंसपुरम में वाटर पार्क घूमने गई थीं। सभी वहां घूमने लगे, तभी पहले से 8-10 लड़के झुंड बनाकर पार्क में बैठे थे।

बेटियों को देखकर लड़के अश्लील कमेंट और गंदे इशारे करने लगे।

महिलाओं व बालिकाओं को सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

ललितपुर। माननीय मुख्यमंत्री उ0प्र0 सरकार की महत्वकांक्षी योजना मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के अन्तर्गत आज दिनांक 15.01.2026 को नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन के प्रति जनपद ललितपुर में महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक, मो0 मुश्ताक के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज- 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद के थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र एवं एंटी रोमियो टीम द्वारा बस अड्डों, बाजारों, पार्कों, स्कूलों व गाँव-गाँव आदि जगहों पर जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता, यौन उत्पीड़न से बचाव व उसके खिलाफ आवाज उठाने, साइबर अपराध से बचाव के तरीके, महिलाओं व किशोरियों के कानूनी अधिकार व हेल्प लाइन से सम्बंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की।विशेष रूप से यह स्पष्ट किया गया कि साइबर अपराधी डर और लालच का सहारा लेते हैं, ऐसे में किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या ओटीपी साझा न करने की सलाह दी गई। मिशन शक्ति टीम द्वारा आपात सहायता हेतु हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए उनके त्वरित उपयोग के लिए प्रेरित किया गया।1

ताजमहल में शाहजहां-मुमताज की असली कब्र खुली

आगरा। ताजमहल में गुरुवार को एएसआई के अफसर तहखाने में 30 फीट नीचे उतरे। शाहजहां-मुमताज की असली कब्र खोली गई। इसके बाद गुसल की रस्म (कब्रों पर चंदन का लेप) के साथ उर्स की शुरुआत हुई है। मुगल बादशाह शाहजहां का 371वां उर्स आज से शुरू हो गया है। एएसआई और उर्स कमेटी ने फूलों की चादर चढ़ाई। उर्स 3 दिन तक चलेगा। इस दौरान टूरिस्ट्स के लिए एंट्री फ्री रहेगी। उर्स के दौरान ताजमहल में कव्वाली गूंजेगी। कब्रों पर देश में खुशहाली के लिए दुआ मांगी जाएगी। आखिरी दिन यानी 17 जनवरी को चादरपोशी होगी। जिसमें एक सतरंगी चादर 1720 मीटर लंबी चढ़ाई जाएगी। अखिल भारत हिंदू महासभा ने उर्स का विरोध किया। महासभा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के कार्यालय पहुंचे, पुतला जलाया और जमकर नारेबाजी की।

जनपद को दो दिनों में मिलेगी बड़ी सौगात

एनएच 44 पर कैलगुवां ओवरब्रिज की एक लेन का कार्य हुआ पूर्ण : कमिश्नर

ललितपुर। आमजन की सुविधा, यातायात सुरक्षा तथा विकास कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विगत दिनों मंडलायुक्त झांसी मंडल, झांसी बिमल कुमार दुबे ने प्रदेश के माननीय राज्य मंत्री मनोहर लाल पंथ एवं माननीय सदर विधायक रामरतन कुशवाहा व जिलाधिकारी सत्य प्रकाश के साथ एनएचएआई झांसी द्वारा एनएच 44 पर कैलगुवा रोड पर निर्मित ओवर ब्रिज का निरीक्षण किया। मंडलायुक्त ने अपने विगत निरीक्षण के दौरान ललितपुर की जनता से वादा किया था कि वह 15 जनवरी को पुन: ललितपुर आएंगे और ओवरब्रिज के निर्माण कार्य व संचालन को देखेंगे, इसके लिए उन्होंने एनएचएआई के अधिकारियों को भी सख्त निर्देश दिए थे कि 15 जनवरी तक पुल के संचालन हेतु 24×7 कार्य करें, जिसके फलस्वरुप आज 15 जनवरी को उन्होंने अपना वादा पूरा किया और ओवरब्रिज का कार्य अपने अंतिम चरण में है। इस अवसर पर मंडलायुक्त

ने कहा कि आगामी कुछ ही दिनों में ओवरब्रिज पूरी तरह से तैयार हो जाएगा और जनता की सेवा के लिए समर्पित हो जाएगा। इसके लिए उन्होंने जनपद के जनप्रतिनिधियों के प्रयासों वी एनएचएआई के अधिकारियों की दिन-रात की गई मेहनत की सराहना की। उन्होंने कहा कि माननीय राज्यमंत्री और माननीय सदर विधायक के प्रयासों से जल्द ही यह सौगात जनता को समर्पित होने जा रही है। माननीय राज्यमंत्री ने कहा कि यह ओवरब्रिज काफी समय से अधूरा था, जिससे जिले में यातायात की समस्या उत्पन्न हो गई थी, जनता की समस्याओं का संज्ञान लेकर एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देशित किया गया गया कि वे निर्धारित समय में इस काम को पूरा करें, जिससे यातायात की समस्या दूर हो सके। अधिकारियों की मेहनत का नतीजा है कि आज यह ओवरब्रिज पूरा होने जा रहा है। माननीय सदर विधायक ने कहा कि पूर्व में ओवरब्रिज की धीमी प्रगति के कारण मंडलायुक्त ने और फिर हमने जिलाधिकारी के साथ यहां का निरीक्षण किया था, अधिकारियों को चेतावनी भी दी थी, जिसकी परिणिति यह रही कि आगामी दिनों में इस पर वाहन चलना शुरू हो जाएंगे।

शार्ट न्यूज

यूपी में सिपाही ने मासूम बेटी को काट डाला

बांदा। यूपी के बांदा में एक सिपाही ने पत्नी और 3 साल की इकलौती बेटी पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार किए। हमले में बच्ची की मौत हो गई, जबकि पत्नी की हालत गंभीर है। वारदात के बाद आरोपी पत्नी-बेटी को घर में छोड़कर फरार हो गया। घर से करीब 400 मीटर दूर नदी किनारे उसका मोबाइल मिला है, जिससे पुलिस को उसके नदी में कूदने की आशंका है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी मकर संक्रांति पर पत्नी और बेटी को मर्का में लगे मेले में घुमाने ले गया था। रात में घर लौटने के बाद किसी बात को लेकर पति-पत्नी में झगड़ा हुआ, जिसके बाद उसने गुस्से में आकर घर में रखी कुल्हाड़ी से दोनों पर हमला कर दिया। चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे और मां-बेटी को जमीन पर पड़ा देखा। दोनों को पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया, जबकि पत्नी को गंभीर हालत में कानपुर रेफर किया गया। यह घटना जिला मुख्यालय से 70 किलोमीटर दूर मर्का कोतवाली क्षेत्र की है। मूल रूप से फर्रुखाबाद का रहने वाला सिपाही गौरव कुमार यादव (35) मर्का कोतवाली में ही तैनात है।

ताजमहल में 70 हजार पर्यटक पहुंचे

आगरा। ताजमहल में मुगल बादशाह शाहजहां के 371वें उर्स के मौके पर शुक्रवार को पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। दोपहर दो बजे के बाद ताजमहल में प्रवेश निशुल्क होने के बाद पर्यटकों की संख्या बढ़ गई। हालात यह रहे कि ताजमहल के पूर्वी और पश्चिमी गेट पर लंबी कतारें लग गईं। भीड़ अधिक होने के कारण विदेशी और दिव्यांग पर्यटकों को खासा परेशानी का सामना करना पड़ा। सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए दिव्यांग पर्यटकों को ट्राई साइकिल के साथ अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गई, जिससे कई दिव्यांग पर्यटक निराश होकर लौटते नजर आए। तमिलनाडु से आए पर्यटकों को एंट्री के लिए काफी परेशानी उठानी पड़ी। वहीं, अत्यधिक भीड़ और अव्यवस्थाओं के चलते कई विदेशी पर्यटक रॉयल गेट से ही ताजमहल का दीदार कर वापस लौट गए। यूएस से आई महिला पर्यटक गेब्रलिन ने बताया कि उनका ग्रुप ताजमहल आया। मगर, भीड़ बहुत है। ऐसे में रॉयल गेट से ही ताज देखा। ताजमहल बहुत खूबसूरत है। गुरुवार को शाहजहां के उर्स के चलते ताजमहल पर पर्यटकों की भीड़ रही।

झांसी के मैरिज गार्डन में लगी आग

झांसी। झांसी के नवाबाद थाना क्षेत्र स्थित एक मैरिज गार्डन में गुरुवार को अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। आग की चपेट में आकर गार्डन में रखा लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। राहत की बात यह रही कि घटना के समय मैरिज गार्डन में कोई मौजूद नहीं था, जिससे जनहानि नहीं हुई। दरअसल, मेडिकल कॉलेज के पास करगुवां इलाके में स्थित ब्रज मैरिज गार्डन के स्टोर रूम में गुरुवार को अचानक धुआं उठता दिखाई दिया। जब तक कोई कुछ समझ पाता, आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और देखते ही देखते लपटें तेज हो गईं। आग की चपेट में आकर स्टोर रूम में रखे सजावटी पर्दे, झालर, लकड़ी का फर्नीचर सेट, डीजे का सामान और एक बाइक पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई। मैरिज गार्डन में काम करने वाले कर्मचारियों ने जब हॉल से धुआं और आग की लपटें उठती देखीं तो तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। साथ ही गार्डन के संचालक मनोज वर्मा को भी घटना की जानकारी दी गई।

रेउना के आरआरसी सेंटर में मिला शव

कानपुर। रेउना थाना क्षेत्र के ग्राम मुईया श्रीनगर स्थित आरआरसी सेंटर (कूड़ेदान गृह) में गुरुवार शाम एक अज्ञात शव मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। घटनास्थल पर जांच के दौरान मृतक की पहचान गांव में घूमने वाले एक मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति के रूप में हुई। ग्रामीणों ने बताया कि वह रात में सोने के लिए कभी-कभी ग्राम मुखिया के आरआरसी सेंटर में रुकता था। वह पिछले कई दिनों से गांव में भीख मांग रहा था। पुलिस ने ग्रामीणों की उपस्थिति में पंचायतनामा की प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए कानपुर नगर भेजा गया। रेउना थाना प्रभारी अनुज राजपूत ने बताया कि उन्हें आरआरसी सेंटर में एक शव मिलने की सूचना मिली थी। प्रारंभिक जांच में ग्रामीणों ने मृतक को मानसिक रूप से विक्षिप्त बताया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बाराबंकी में वकीलों का प्रदर्शन, टोल फ्री कराया

बाराबंकी। बाराबंकी जिले में लखनऊ-सुल्तानपुर हाईवे स्थित बारा टोल प्लाजा पर गुरुवार को वकीलों ने जमकर हंगामा किया। एक दिन पहले प्रयागराज हाईकोर्ट के एक अधिवक्ता के साथ टोल कर्मियों द्वारा मारपीट के विरोध में सैकड़ों वकील सड़क पर उतर आए। टोल प्लाजा पर तोड़फोड़ की। टोल फ्री करा दिया। बताया जा रहा पिछले 8 घंटे से टोल फ्री है। आरोपी टोल कर्मचारी मौके से भाग गए हैं। पुलिस अफसर वकीलों को समझा रहे हैं। बुधवार को प्रयागराज हाईकोर्ट के अधिवक्ता रत्नेश शुक्ला कार से लखनऊ हाईकोर्ट जा रहे थे। बारा टोल प्लाजा पर उनके फास्टैग में बैलेंस खत्म होने की जानकारी मिली। अधिवक्ता ने नकद भुगतान कर रसीद लेने की बात कही, जिस पर टोल कर्मियों से कहासुनी हो गई। आरोप है विवाद बढ़ने पर टोलकर्मियों ने अधिवक्ता को पीटा। इस घटना की जानकारी फैलते ही वकीलों में भारी रोष व्याप्त हो गया। गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे हैदरगढ़ तहसील बार के नेतृत्व में बड़ी संख्या में वकील बारा टोल प्लाजा पहुंचे।

आगरा में बुजुर्ग से 20 लाख की साइबर ठगी

आगरा। आगरा में साइबर ठगी का एक गंभीर मामला सामने आया है, जिसमें साइबर ठगों ने मनी लॉन्ड्रिंग का डर दिखाकर 72 वर्षीय बुजुर्ग से 20 लाख रुपये की ठगी कर ली। ठगों ने खुद को जांच एजेंसी का अधिकारी बताकर पीड़ित को लंबे समय तक मानसिक दबाव में रखा और डिजिटल माध्यम से रकम ट्रांसफर करा ली। बिरहरू के कुकावर के रहने वाले हरिवंच पुत्र रोशन लाल को अक्टूबर 2025 के अंत में एक फोन कॉल आया। कॉल करने वालों ने दावा किया कि उनके आधार कार्ड का इस्तेमाल कर करीब 6 करोड़ 80 लाख रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग की गई है। ठगों ने कहा कि इस मामले में उनके खिलाफ केस दर्ज है। अगर उन्होंने किसी को इसकी जानकारी दी, तो तुरंत गिरफ्तारी हो सकती है। ठगों ने लगातार फोन कॉल, वीडियो कॉल और मैसेज के जरिए पीड़ित से संपर्क बनाए रखा। डर और घबराहट के माहौल में उन्होंने पीड़ित से बैंक खातों, मोबाइल नंबर और अन्य निजी जानकारियां हासिल कर लीं। इसके बाद दिसंबर 2025 के अंतिम सप्ताह में अलग-अलग तारीखों पर पीड़ित के खातों से कुल 20 लाख रुपये विभिन्न खातों में ट्रांसफर करा लिए गए।

मऊ में 1.46 करोड़ की संपत्ति कुर्क

मऊ। मऊ में साड़ी चोरी के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। गैंग लीडर द्वारा अपराध से अर्जित की गई लगभग 1.46 करोड़ रुपए मूल्य की भूमि और मकान को गैंगस्टर अधिनियम की धारा 14(1) के तहत कुर्क किया गया। पुलिस अधीक्षक इलामारन जी. के निर्देश पर जिले में अपराध और अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत गैंगस्टर एक्ट के मामलों में अभियुक्तों द्वारा अर्जित अवैध चल-अचल संपत्तियों की पहचान कर उन्हें जब्त किया जा रहा है। अपर पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी नगर कृश राजपूत के पर्यवेक्षण में एक संयुक्त पुलिस टीम का गठन किया गया था। इसी अभियान के तहत, कोतवाली नगर के प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार सिंह ने लगातार प्रयास किए। जांच में सामने आया कि गैंगस्टर एक्ट से संबंधित अभियुक्त और गैंग लीडर होजैफा नसीम ने अपने गिरोह के सदस्यों के साथ मिलकर संगठित और समाज विरोधी अपराधों को अंजाम दिया। इन अपराधों से उसने अवैध रूप से धन अर्जित किया और उसी अवैध धन से मकान व जमीन खरीदी थी।

संक्षिप्त समाचार

थाईलैंड में क्रेन गिरने के कारण पटरी से उतरी ट्रेन, 22 लोगों की मौत ; 30 घायल

बैंकाक, एजेंसी। थाईलैंड में एक बड़ा रेल हादसा हुआ है। दरअसल राजधानी बैंकॉक से थाईलैंड के उत्तर पश्चिमी प्रांत जा रही एक ट्रेन पर निर्माणाधीन साइट की क्रेन गिर गई। इसके बाद ट्रेन भी पटरी से उतर गई। इस हादसे में 22 लोगों की मौत हुई है और करीब 30 लोग घायल हैं। ये दुर्घटना बुधवार सुबह थाईलैंड के सिखियो जिले में हुई। यह क्षेत्र राजधानी बैंकॉक से करीब 230 किलोमीटर दूर है। क्रेन गिरने के चलते ट्रेन पटरी से उतर गई और उसमें आग लग गई। फिलहाल आग को बुझा लिया गया है और बचाव कार्य चल रहा है। हादसे के बाद राहत और बचाव कार्यों का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि बचाव कर्मी हादसाग्रस्ट ट्रेन को काटकर घायल लोगों को निकाल रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, हादसे का शिकार हुई ट्रेन में 195 यात्री सवार थे। हालांकि ये आंकड़ा ट्रेन में सीटों के आधार पर बताया गया है और ट्रेन में असल में कितने यात्री सवार थे, इसका आंकड़ा अलग हो सकता है। थाईलैंड सरकार ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। हादसा बुधवार सुबह 9 बजे के करीब हुआ।

ट्रंप के हमले का दिखने लगा असर, वेनेजुएला ने रिहा किए जेल में बंद अमेरिकी नागरिक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने 2 से 3 जनवरी की दरमियानी रात वेनेजुएला पर एक विस्फोटक हमला किया था। अमेरिकी सेना इस हमले में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोर्स को गिरफ्तार कर स्-ले गई थी। अमेरिका के इस हमले के 12 दिन बाद ही वेनेजुएला ने जेल में बंद अमेरिकी नागरिकों को रिहा कर दिया है। ट्रंप प्रशासन ने वेनेजुएला के इस फैसले का स्वागत किया है। अमेरिकी सरकार ने मंगलवार 13 जनवरी को बताया कि वेनेजुएला में हिरासत में लिए गए कई अमेरिकी नागरिकों को रिहा कर दिया गया है। विदेश विभाग ने कहा, हम वेनेजुएला में हिरासत में लिए गए अमेरिकी नागरिकों की रिहाई का स्वागत करते हैं। यह अंतरिम अधिकारियों का सही दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। वेनेजुएला की राष्ट्रीय विधानसभा के प्रमुख जॉर्ज रोड्रिगेज ने अमेरिका के हमले के बाद एक बड़ा एलान किया था। रोड्रिगेज ने कहा था, मादुरो को सत्ता से हटाने वाले सैन्य अभियान के बाद शांति स्थापित करने के प्रयास में देश में कैद वेनेजुएला और अन्य विदेशी नागरिकों की काफी संख्या को रिहा किया जाएगा। वेनेजुएला के मानवाधिकार समूह फोरम पेनाल ने मंगलवार शाम तक बताया कि राजनीतिक कारणों से हिरासत में लिए गए 56 कैदियों को रिहा कर दिया गया है। समूह ने रिहाई को लेकर सरकार की पारदर्शिता की कमी की आलोचना की। वेनेजुएला सरकार ने संगठन के इस आंकड़े को खारिज करते हुए मंगलवार दोपहर को इन कैदियों की संख्या 400 बताई।

विनाशकारी नतीजे..., ईरान में प्रदर्शनकारियों को ट्रंप की मदद के दावे पर रूस की कड़ी चेतावनी

मॉस्को , एजेंसी। ईरान में जारी सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। ट्रंप ने ईरानी प्रदर्शनकारियों से सड़कों पर डटे रहने की अपील करते हुए कहा कि मदद रास्ते में है। इसके तुरंत बाद रूस ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी और कहा कि ईरान के खिलाफ किसी भी नए सैन्य कदम के विनाशकारी नतीजे होंगे। रूस के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका को सख्त शब्दों में आगाह किया कि ईरान के खिलाफ नए सैन्य हमलों की धमकियां पूरी तरह अस्वीकार्य हैं। मंत्रालय ने कहा कि बाहरी ताकतों द्वारा प्रेरित अशांति को बहाना बनाकर अगर फिर से हमला किया गया, तो इससे मध्य पूर्व और वैश्विक सुरक्षा पर गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा। रूस ने इसे ईरान के आंतरिक मामलों में विध्वंसक हस्तक्षेप करार दिया। ईरान में बीते कई हफ्तों से सरकार विरोधी प्रदर्शन चल रहे हैं। रिपोर्टों के अनुसार, सुरक्षाबलों की कार्रवाई में करीब 2,000 लोगों की मौत हो चुकी है। हालात को काबू में रखने के लिए सरकार ने कड़े कदम उठाए हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकारों को लेकर चिंता बढ़ी है। अमेरिका लगातार इन प्रदर्शनों को नैतिक समर्थन देता रहा है। रूस की चेतावनी और ट्रंप के बयान के बाद यह साफ है कि ईरान का मुद्दा सिर्फ एक देश तक सीमित नहीं रहा। मध्य पूर्व पहले ही अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है। अगर अमेरिका सैन्य कदम उठाता है, तो इसका असर सिर्फ ईरान तक नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र और वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था पर पड़ सकता है। आने वाले दिनों में यह देखना अहम होगा कि कूटनीति हावी रहती है या टकराव का रास्ता चुना जाता है।

टैरिफ से बदली अमेरिका की तस्वीर? ट्रंप ने बताया कैसे कुछ महीनों में ही व्यापार घाटे को किया कम

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका की आर्थिक नीतियों को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर आक्रामक रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि टैरिफ नीति के चलते अमेरिका की अर्थव्यवस्था ने तेजी से करवट बदली है। ट्रंप का दावा है कि कुछ ही महीनों में रिकॉर्ड स्तर का व्यापार घाटा घटा है और शेयर बाजार ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंच गया है। उनके मुताबिक, यह बदलाव उनकी सरकार की सख्त टैरिफ रणनीति का सीधा नतीजा है।

ट्रंप ने अपने बयान में कहा कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में अमेरिका ने हर साल एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक का व्यापार घाटा झेला। लेकिन चुनाव नतीजों और टैरिफ से होने वाली आय के कारण यह घाटा कम समय में घटाया गया। ट्रंप ने इसे अमेरिका को मजबूत और शक्तिशाली बनाने वाली नीति बताया और कहा कि पिछली पीढ़ियों में भी टैरिफ ने देश को आर्थिक ताकत दी थी।

क्यों टैरिफ को बता रहे हैं कामयाबी की वजह : ट्रंप का कहना है कि टैरिफ लागू होने से विदेशी उत्पादों पर निर्भरता घटी और घरेलू उद्योगों को बढ़ावा मिला। उनके

मुताबिक, शेयर बाजार चुनाव के बाद से अपने सर्वोच्च स्तर पर है। ट्रंप ने इसे निवेशकों के भरोसे और मजबूत आर्थिक संकेतों से जोड़ा। उन्होंने कहा कि उत्पादकता बढ़ी है, निवेश में उछाल आया है और आमदनी में सुधार दिख रहा है।

ऑटो सेक्टर पर असर : ट्रंप ने विदेशी ऑटोमोबाइल पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के फैसले को बड़ा कदम बताया। उनका दावा है कि इससे अमेरिकी ऑटो उद्योग में 70 अरब डॉलर से अधिक का नया निवेश आया है। खास तौर पर डेट्रॉयट, जिसे कार निर्माण की राजधानी माना जाता है, वहां निवेश तेज हुआ है। ट्रंप के मुताबिक, कंपनियां अब अमेरिका में कारें बनाना चाहती हैं, न कि बाहर।

व्यापार घाटा घटने का दावा कितना अहम : ट्रंप ने कहा कि व्यापार घाटा घटाना उनकी प्राथमिकता रही है। उनके मुताबिक, टैरिफ से आय बढ़ी और आयात पर निर्भरता कम हुई। इससे अमेरिकी उद्योगों को प्रतिस्पर्धा में फायदा मिला। ट्रंप का यह भी कहना है कि उनकी नीतियों से अमेरिका को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिर से सम्मान मिला है। ट्रंप के बयान ऐसे समय आए हैं, जब वैश्विक व्यापार पर टैरिफ को लेकर बहस तेज है। समर्थकों का मानना है कि टैरिफ से घरेलू उद्योग मजबूत होंगे, जबकि आलोचक महंगाई और व्यापार तनाव की आशंका जता रहे हैं। ट्रंप ने हालांकि साफ किया कि वह अपनी नीति पर कायम रहेंगे और इसे अमेरिका के हित में जरूरी मानते हैं।

आदर्श स्थिति में अमेरिका ईरान में लोकतंत्र देखना चाहता : ईरान में जारी राजनीतिक अस्थिरता और सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बार फिर ईरान को लेकर बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि आदर्श स्थिति में अमेरिका ईरान में लोकतंत्र देखना चाहता है। उनका कहना है कि ईरानी लोगों को लंबे समय से दमन और भय में जीना पड़ रहा है और अब उन्हें आज़ादी मिलनी चाहिए। ट्रंप से जब पूछा गया कि क्या वह ईरान में लोकतंत्र देखना चाहते हैं, तो उन्होंने साफ कहा कि अमेरिका नहीं चाहता कि वहां लोगों की हत्या हो। ट्रंप के मुताबिक, ईरान के आम लोग लंबे समय से नरक जैसी जिंदगी जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया को यह देखना चाहिए कि ईरानी नागरिकों को थोड़ी आजादी और सम्मान मिले। ईरान के सुरक्षा प्रमुख अली लारीजानी ने ट्रंप पर हमला बोलते हुए कहा कि ट्रंप और नेतन्याहू ईरानी जनता के मुख्य हत्यारे हैं। लारीजानी ने आरोप लगाया कि अमेरिका और इस्राइल की नीतियों की वजह से ईरान में हालात बिगड़े हैं और निर्दोष लोगों की जान जा रही है। उन्होंने ट्रंप के लोकतंत्र संबंधी बयान को पाखंड करार दिया।

ईरान में हालात कितने गंभीर हैं : ईरान में बीते कई हफ्तों से सरकार विरोधी प्रदर्शन चल रहे हैं। रिपोर्टों के अनुसार, सुरक्षाबलों की कार्रवाई में करीब 2,000 लोगों की मौत हो चुकी है। हालात को काबू में रखने के लिए सरकार ने कड़े कदम उठाए हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकारों को लेकर चिंता बढ़ी है। अमेरिका लगातार इन प्रदर्शनों को नैतिक समर्थन देता रहा है।

सिंगापुर का पासपोर्ट दुनिया में सबसे शक्तिशाली, 192 देशों तक पहुँच

सिंगापुर, एजेंसी। 2026 में दुनिया के पासपोर्ट की ताकत का नया आंकड़ा आया है। ये दिखाता है कि ग्लोबल मोबिलिटी की खाई और बड़ी हो गई है। हेन्ली पासपोर्ट इंडेक्स के मुताबिक, कूटनीति, आर्थिक ताकत और राजनीतिक स्थिरता ने इस रैंकिंग को पूरी तरह बदल दिया है। सिंगापुर ने एक बार फिर दुनिया का सबसे मजबूत पासपोर्ट का ताज अपने नाम किया है, जबकि कई यूरोपीय देश पीछे छूटते नजर आ रहे हैं। ये इंडेक्स बताता है कि पासपोर्ट कितनी जगहों पर बिना वीजा के घूमने की आजादी देता है।

सिंगापुर टॉप पर, एशिया की बढ़त बरकरार : सिंगापुर का पासपोर्ट दुनिया में नंबर 1 है। इसके धारक 192 देशों में बिना पहले वीजा लिए जा सकते हैं। ये लगातार कई सालों से टॉप पर बना हुआ है। जापान और साउथ कोरिया संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं, दोनों के पासपोर्ट से 188 जगहों पर वीजा-फ्री एंट्री मिलती है। वहीं तीसरे स्थान पर डेनमार्क, लक्जमबर्ग, स्पेन, स्वीडन और स्विट्जरलैंड हैं, हर एक से 186 डेस्टिनेशन वीजा-फ्री हैं। चौथे नंबर पर 10 यूरोपीय देश टाई हैं। इनमें ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, आयरलैंड, इटली, नीदरलैंड्स और नॉर्वे शामिल हैं। इनके पासपोर्ट से 185 जगहों पर आसानी से घूमा जा सकता है। पांचवें स्थान पर हंगरी, पुर्तगाल, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया और यूएई हैं, जहां 184 डेस्टिनेशन वीजा-फ्री हैं। भारत का पासपोर्ट 2026 में 80वें स्थान पर है। भारतीय पासपोर्ट धारक अब 55 देशों में वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-अराइवल जा सकते हैं। पिछले साल यानी 2025 में भारत 85वें स्थान पर था, तो ये पांच पायदानों की बढ़त है। भारत अभी भी ग्लोबल औसत से काफी नीचे है और कई उभरते देशों से पीछे चल रहा है। ज्यादा तर देशों में भारतीयों को पहले वीजा लेना पड़ता है।

दुनिया का सबसे कमजोर पासपोर्ट : इस लिस्ट में सबसे निचले पायदान पर अफगानिस्तान है। इसका पासपोर्ट सिर्फ 24 जगहों पर वीजा-फ्री एक्सेस देता है। सिंगापुर से तुलना करें तो ये गैप 168 डेस्टिनेशन का है। ये अंतर युद्ध, अस्थिरता और कम डिप्लोमैटिक रिश्तों की वजह से है। दुनिया में अमीर और गरीब देशों के बीच यात्रा की आजादी का फर्क लगातार बढ़ रहा है। दुनिया का सबसे भरोसेमंद पासपोर्ट रैंकिंग है। ये बताता है कि किसी पासपोर्ट से कितने देशों में बिना पहले वीजा के जा सकते हैं। ये डेटा इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन से लिया जाता है। 20 साल से ज्यादा का इतिहास होने की वजह से सरकारें, नीति निर्माता और आम लोग इसे ट्रैवल फ्रीडम का बेंचमार्क मानते हैं। ये इंडेक्स हर साल जनवरी में अपडेट होता है।

अमेरिका के बाद इस्राइल ने भी यूएन की कई एजेंसियों से तोड़ा नाता

तेल अवीव , एजेंसी। अमेरिका के बाद इस्राइल ने भी खुद को संयुक्त राष्ट्र की कई एजेंसियों से अलग कर लिया है। इस्राइल ने अपने इस कदम की वजह बताते हुए कहा कि ये एजेंसियां लगातार उसके प्रति पक्षपात कर रहीं थीं और राजनीति कर रहीं थीं। बीते हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों और संधियों से अमेरिका को अलग कर लिया था। इनमें से आधे संगठन संयुक्त राष्ट्र के थे। ट्रंप ने आरोप लगाया कि ये एजेंसियां अमेरिका के हितों के खिलाफ काम कर रही हैं। इस्राइली विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर क्या कहा? इस्राइल के विदेश विभाग ने एक बयान जारी कर कहा, अमेरिका के संयुक्त राष्ट्र के कई संगठनों से हटने के बाद हमने भी समीक्षा की। जिसके बाद इस्राइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने तय किया कि इस्राइल तुरंत प्रभाव से संयुक्त राष्ट्र और कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अपने नाते तोड़ रहा है। साथ ही विदेश मंत्री ने मंत्रालय को निर्देश दिया है कि अन्य एजेंसियों के साथ ही संबंधों की समीक्षा की जा रही है और विचार-विमर्श के बाद आगे का फैसला लिया जाएगा। इस्राइल ने यूएन के जिन संगठनों से नाता तोड़ा है, उनमें चिल्ड्रन एंड आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट ऑफिस, यूएन वुमन, यूएन कॉन्फ्रेंस ऑन ट्रेड एंड डेवलपमेंट, यूएन इकॉनोमिक एंड सोशल कमीशन फॉर वेस्टर्न एशिया, यूएन अलायंस ऑफ सिविलाइजेशन, यूएन एनर्जी और माइग्रेशन एंड डेवलपमेंट ग्लोबल फोरम जैसे संगठन शामिल हैं। इस्राइल सरकार ने बताया कि चिल्ड्रन एंड आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट ने इस्राइली सेना को, हमास, फलस्तीन के साथ काली सूची में डाला हुआ है। ऐसे में इस्राइल ने इस संगठन से हटने का फैसला किया है। इस्राइल ने जून 2024 में इस संगठन से रिश्ते तोड़े हुए थे और अब आधिकारिक रूप से इस संगठन से हटने का एलान कर दिया है। यूएन वुमन संगठन द्वारा इस्राइली महिलाओं के साथ हमास द्वारा किए गए यौन शोषण को नजरअंदाज करने के चलते इस्राइल की सरकार ने इस संगठन से हटने का तय किया है।

कनाडा के पीएम का चीन दौरा बेहद खास, क्या अमेरिका के सहयोगियों को तोड़ने की कोशिश कर रहा बीजिंग?

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री बुधवार चीन दौरे पर पहुंच गए। कनाडा के पीएम का चीन दौरा वैश्विक राजनीति में बदलते परिदृश्य का उदाहरण है क्योंकि कई वर्षों के बाद कनाडा के पीएम चीन दौरे पर पहुंचे हैं। वहीं चीन भी इस मौके को भुनाने की ताक में है और उसने कनाडा को उसके करीबी सहयोगी अमेरिका से दूर करने की कोशिशें शुरू कर दी हैं। चीन के सरकारी मीडिया में क्या लिखा जा रहा है? चीन के सरकारी मीडिया ने कनाडा की सरकार से अपील की है कि वे अमेरिका से स्वतंत्र विदेश नीति अपनाएं, जिसे रणनीतिक स्वायत्ता कहते हैं। चीन के सरकारी अखबार चाइना डेली ने अपने एक संपादकीय में लिखा कि अगर कनाडाई पक्ष पिछले कुछ वर्षों में द्विपक्षीय संबंधों में आई गिरावट के मूल कारणों पर विचार करती है तो

उसे एहसास होगा कि वह चीन से जुड़े मुद्दों को संभालते समय अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए बन सकता है। अगर ओटावा भविष्य में भी अपनी चीन नीति को वॉशिंगटन की मर्जी के हिसाब से चलाता है, तो बीजिंग के साथ रिश्ते सुधारने की उसकी पिछली सारी कोशिशें बेकार हो जाएंगी। वहीं ग्लोबल टाइम्स ने लिखा कि अमेरिका का बिना सोचे-विचारे सहयोग करने और चीन पर उच्च टैरिफ लगाने के बाद अब लगता है कि कनाडा की रणनीतिक स्वायत्ता की समझ जाग रही है। हालांकि कनाडा के अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि कार्नी की चीन यात्रा से दोनों देशों के बीच व्यापार मजबूत होने की उम्मीद है, लेकिन इससे कनाडा द्वारा लगाए गए टैरिफ हटेंगे या नहीं ये अभी तय नहीं है।

अमेरिका से खराब रिश्तों के चलते चीन को दिख रहा अवसर : दरअसल कनाडा, लंबे समय से अमेरिका का करीबी सहयोगी है। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक विदेश नीति और टैरिफ के चलते अमेरिका और कनाडा के रिश्तों में भी इन दिनों थोड़ी तल्खी है। ट्रंप ने कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कही है। जो बाइडन के कार्यकाल में अमेरिका ने यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, भारत, कनाडा और अन्य देशों के साथ मिलकर चीन को घेरने की रणनीति बनाई थी। हालांकि अब ट्रंप के समय में अमेरिका जिस तरह से मनमानी कर रहा है, उसमें चीन को अपने लिए अवसर दिख रहे हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का चीन दौरा व्यापार पर फोकस है और कनाडा भी अब अमेरिका से इतर अपने लिए बाजार ढूंढ रहा है और अमेरिका पर अपनी निर्भरता को कम कर रहा है। यही वजह है कि कनाडा और चीन के रिश्ते फिर से बेहतर हो रहे हैं, जो कि जस्टिन ट्रुडो सरकार में खराब थे।

आपने 40 साल से आतंकवाद पर चुप्पी साध रखी है, भारत ने कनाडा को दिखाया आईना

टोरंटो , एजेंसी। कनाडा में भारत के हाई कमिश्नर दिनेश पटनायक खालिस्तानी आतंकवादियों को लेकर तीखा हमला बोला है। कनाडा के सरकारी चैनल सीबीसीपर मंगलवार को दिए इंटरव्यू पटनायक ने कहा कि कनाडा ने पिछले 40 सालों में अपनी जमीन पर चल रही आतंकी गतिविधियों के खिलाफ कोई कदम नहीं उठाया, इससे भारत विरोधी चरमपंथ को बढ़ावा मिला है। हरदीप सिंह निज्जर मामले को लेकर सीबीसी के एंकर ने बार-बार कहा कि कनाडाई खुफिया और पुलिस के पास भारतीय एजेंटों से जुड़ी विश्वसनीय जानकारी है, लेकिन पटनायक ने इसे सिरे से खारिज कर

दिया। निज्जर की हत्या को लेकर पटनायक ने पूछा, सबूत कहां हैं? ये सिर्फ आरोप हैं, जिनके पीछे कोई प्रमाण नहीं है। आरोप लगाना आसान है। उन्होंने कनाडा पर उंगली उठाते हुए कहा कि भारत जब कनाडा में सक्रिय आतंकियों की जानकारी देता है, तो कनाडाई पक्ष सबूत की कमी का बहाना बनाता है। लेकिन जब कनाडा भारत पर आरोप लगाता है, तो उम्मीद करता है कि बिना सबूत के ही माने जाएं। हाई कमिश्नर ने 1985 के एअर इंडिया बम विस्फोट का जिक्र किया, जिसमें 329 लोग मारे गए थे। उन्होंने कहा, इस हमले की जांच आज तक कुछ नहीं निकाल पाई। कनाडा में आतंकवाद पर 40 साल से बात हो रही है, लेकिन किसी को सजा नहीं हुई। पटनायक ने कनाडा पर डबल स्टैंडर्ड अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, जब मैं आरोप लगाता हूं और आप कहते हैं सबूत काफी नहीं, तो मैं मानता हूं। लेकिन जब आप मुझे आरोपित करते हैं और मैं सबूत मांगता हूं, तो आपको भी वैसा ही करना चाहिए। इंटरव्यू में एंकर ने भारतीय सरकार पर भरोसे की कमी का मुद्दा उठाया, लेकिन पटनायक ने साफ कहा कि भारत सरकार ऐसी हरकतें नहीं करती। अगर कोई व्यक्ति सबूतों के आधार पर दोषी पाया जाता है, तो भारत खुद कार्रवाई करेगा उन्होंने कहा, हमें आपकी कार्रवाई की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी साफ किया कि भारत को अलगाववादी जनमत संग्रह से समस्या नहीं है, बल्कि उन लोगों से है जो भारत में अपराधी हैं या विदेश में आतंकी गतिविधियां चला रहे हैं।

संघर्ष जारी रखें, इनके जुल्मों का हिसाब करेंगे

तेहरान , एजेंसी। ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों और हिंसा के बीच ईरान के निर्वासित युवराज रेजा पहलवी लगातार केंद्र में बने हुए हैं। वे प्रदर्शनकारियों का समर्थन कर रहे हैं और उन्हें सड़कों पर बने रहने की अपील कर रहे हैं। अब ताजा संदेश में रेजा पहलवी ने प्रदर्शनकारियों से संघर्ष जारी रखने की अपील की। उन्होंने ईरान की सरकार को चेतावनी दी कि जल्द ही इनके जुल्मों का हिसाब किया जाएगा। साथ ही उन्होंने ईरान की सेना से भी अपील की है कि वे प्रदर्शनकारियों का साथ दें क्योंकि उनके पास ज्यादा समय नहीं बचा है। निर्वासित युवराज रेजा पहलवी ने सोशल मीडिया पर जारी एक पोस्ट में लिखा, मेरे देशवासियों, दुनिया अब आपकी आवाज और हिम्मत को सुन ही नहीं रही बल्कि इसका जवाब भी दे रही है। अभी आपने अमेरिका के राष्ट्रपति का संदेश सुना होगा कि मदद रास्ते में है। संघर्ष जारी रखें, जो आपने अभी तक किया है। इस सरकार को ऐसा भ्रम पैदा न करने दें कि सबकुछ सामान्य है। इस पूरे नरसंहार के बाद हमारे और इस सरकार के बीच खून का दरिया है। इन अपराधियों के नाम बचाकर रखें क्योंकि इन्हें इसकी सजा जरूर दी जाएगी।

ईरान की सेना से की अपील- प्रदर्शनकारियों का साथ दें : रेजा पहलवी ने ईरान की सेना से भी अपील की और कहा कि वे ईरान की सेना हैं न कि इस्लामिक गणराज्य की सेना। उन्होंने सेना से कहा कि अब उनके पास ज्यादा समय नहीं बचा है, इसलिए जितना जल्दी संभव हो सके,

प्रदर्शनकारियों का साथ दें। रेजा पहलवी ईरान के अंतिम शाह के बेटे हैं। साल 1979 में ईरान की इस्लामिक क्रांति के बाद शाह की सत्ता चली गई और उसके बाद से रेजा पहलवी निर्वासन में ही रह रहे हैं। ईरान में दिसंबर के अंतिम दिनों में आर्थिक संकट के चलते शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन जारी है और अब तक इस प्रदर्शन में दो हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने का दावा किया जा रहा है। मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बयान में प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि मदद आ रही है और उन्होंने ईरान में रह रहे अमेरिकियों को तुरंत देश छोड़ने की सलाह दी है। ट्रंप के इस बयान के बाद कयास लग रहे हैं कि अमेरिका जल्द ईरान के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर सकता है। आर्थिक संकट में फंसे ईरान को घेरने के लिए ट्रंप ने एक और बड़ा कदम उठाया है। दरअसल ट्रंप ने घोषणा की कि जो भी देश ईरान के साथ व्यापार करेगा, उसे अमेरिका के साथ व्यापार करने पर 25त्न अतिरिक्त आयात शुल्क चुकाना होगा। इस आदेश का सीधा असर उन देशों पर पड़ेगा जो ईरान से तेल खरीदते हैं, जिससे ईरान की अर्थव्यवस्था पूरी तरह चरमरा सकती है।

150 साल बाद स्पेन को मिलने जा रही पहली रानी, 20 वर्षीय प्रिंसेस लियोनोर रचेंगी इतिहास

मैड्रिड , एजेंसी। स्पेन में 150 साल में पहली बार एक रानी शासन संभालने जा रही है। राजा फेलिप और रानी लेटिजिया की 20 साल की बेटी राजकुमारी लियोनोर अब अपने परिवार की गद्दी संभालने के लिए तैयार हैं। 1800 के दशक से अब तक इसाबेला सेकंड के बाद वे देश की पहली महिला शासक बनने वाली हैं। 1700 के दशक के आरंभ से ही स्पेन का राज बोर्बोन राजवंश के पास रहा है। इन्होंने स्पेन के उत्तराधिकार युद्ध में हैब्सबर्ग राजवंश पर विजय प्राप्त की थी।

स्पेन की रानी बनेंगी लियोनोर : जनरल फ्रेंको की तानाशाही समाप्त होने के बाद, 1975 में राजा जुआन कार्लोस प्रथम के साथ राजशाही बहाल हुई, जिन्होंने स्पेन को लोकतंत्र की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने 2014 में पद त्याग दिया और सिंहासन अपने पुत्र फेलिप को सौंप दिया। अब उनकी बेटी लियोनोर सिंहासन की अगली उत्तराधिकारी हैं। लियोनोर के पिता फेलिप ने 2004 में पूर्व पत्रकार लेटिजिया से शादी की और 42 वर्ष की उम्र में वह रानी बनीं। इस शाही दंपति की दो बेटियां हैं। पहली बेटी राजकुमारी लियोनोर, जिनका जन्म 2005 में हुआ और जो इस समय सिंहासन की उत्तराधिकारी हैं। वहीं दूसरी बेटी इन्फेंटा सोफिया, जिनका जन्म 2007 में हुआ।

20 साल की उम्र में पूरी की ट्रेनिंग : स्पेन के कानून के अनुसार, सिंहासन पर बैठने से पहले उत्तराधिकारी को सेना, नौसेना और वायु सेना में सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त करना जरूरी होता है। लियोनोर ने वेल्स के यूडब्ल्यूसी अटलांटिक कॉलेज से इंटरनेशनल बैकलॉरिएट डिप्लोमा के साथ अपनी उच्च शिक्षा शुरू की। स्पेन की होने वाली रानी ने तब से ही देश की कमांडर-इन-चीफ के रूप में भी सैन्य प्रशिक्षण शुरू कर दिया। लियोनोर ने अगस्त 2023 में

जरागोजा में सेना प्रशिक्षण के साथ सैन्य सफर की शुरुआत की, जहां वह 560 कैडेटों के एक ग्रुप में शामिल हुईं। 2024 में, लियोनोर ने गैलिसिया में नौसेना प्रशिक्षण की शुरुआत की और ट्रेनिंग शिप जुआन सेबेस्टियन डी एल्कानो पर सवार होकर 140 दिनों की 17,000 मील की समुद्री यात्रा पर निकलीं। इस यात्रा के दौरान, उन्होंने चालक दल के सदस्य के रूप में अटलांटिक महासागर, दक्षिण अमेरिका के चारों ओर और न्यूयॉर्क तक की यात्रा की। दिसंबर 2025 में, लियोनोर ने अकेले ही पिलाटस पीसी-21 विमान में अपनी पहली उड़ान पूरी की और ऐसा करने वाली वह स्पेनिश शाही परिवार की पहली महिला सदस्य बनीं। स्पेन की होने वाली रानी लियोनोर ने राज परिवार की गद्दी संभालने के लिए सभी तरह की ट्रेनिंग ले ली है और वह केवल 20 साल की उम्र में सत्ता संभालने के लिए तैयार हैं।

विशाल इंडिया
हिन्दी दैनिक

गौतमबुद्धनगर
शुक्रवार 16 जनवरी 2026
Www.vishalindia.in

अंडर-19 वर्ल्ड कप : भारत की जीत के साथ शुरूआत, अमेरिका को 6 विकेट से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के खिलाफ आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 में भारत ने जीत के साथ शुरूआत की है। बुलावेयो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में वर्षा प्रभावित मैच में भारत ने अमेरिका को 6 विकेट से हराया। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया और हेनिल पटेल के पारी में 5 विकेट की बदौलत भारत ने अमेरिका की 107 रन पर ढेर कर दिया। अमेरिका की तरफ से नितीश सुदिनी ने सबसे ज्यादा 36 रन बनाए। बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने भी गेंदबाजी की और एक विकेट झटका। भारत ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 3 विकेट के नुकसान पर 53 रन बना लिए हैं।

इसके जवाब में उतरी भारतीय टीम ने खराब शुरुआत की क्योंकि वैभव सूर्यवंशी मात्र 2 रन पर बोल्ड हो गए। इसके बाद बारिश आ गई जिस कारण मैच को रोक दिया गया। भारत का औसत शानदार था जिस कारण कुछ देर के बाद जब बारिश रूकी तो ओवर कम करके लक्ष्य 96 का कर दिया गया। कप्तान आयुश महात्रे और वेदांत त्रिवेदी टिकने की कोशिश में थे कि त्रिवेदी (2) आउट हो गए। इसके बाद विहान मल्होत्रा क्रीज पर आए। लेकिन टीम का स्कोर 25 था जब कप्तान महात्रे (19) आउट हो गए। इसके बाद मल्होत्रा और अभिज्ञान कुंडू के बीच 45 रन की साझेदारी हुई। टीम का स्कोर 70 था जब मल्होत्रा (18) आउट हो गए और कुंडू (42) कनिष्क चौहान (10) के साथ जीत दर्ज कर वापस लौटे।

इंडिया ओपन: लक्ष्य ने केंटा को सीधे मैचों में हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

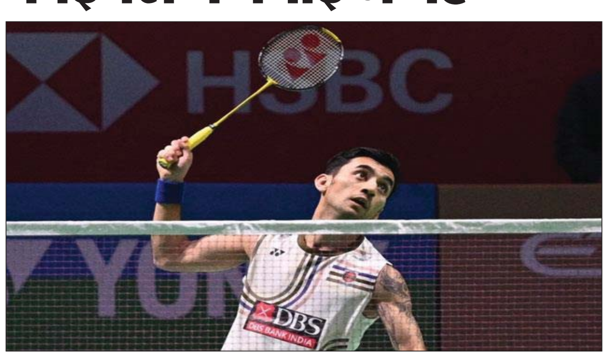

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के टॉप रैंक वाले पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने गुरुवार को यहां इंदिरा गांधी स्टेडियम में योनेक्स सनराइज इंडिया ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए जापान के निशिमोटो केंटा को हराया। पेरिस ओलंपिक के सेमी फाइनलिस्ट लक्ष्य सेन पहले गेम में शुरुआत में थोड़ा घबरा गए और पीछे हो गए लेकिन बाद में उन्होंने लय पकड़ी और आखिर में शानदार जीत हासिल की।

पहले गेम में 14-18 से पीछे होने के बाद लक्ष्य ने वापसी करते हुए पहला गेम 21-19 से जीत लिया। एक बार जब उन्होंने लय पकड़ ली, तो दुनिया के नंबर 13 खिलाड़ी ने दूसरा गेम 21-10 से जीत लिया। क्वार्टर फाइनल में लक्ष्य एकमात्र भारतीय एकल खिलाड़ी होंगे। इससे पहले भारत की उम्मीद एच एस प्रणय और किदांबी श्रीकांत इंडिया ओपन के दूसरे दौर में गुरुवार को तीन गेमों के संघर्षपूर्ण मुकाबले में हार कर बाहर हो गए। प्रणय को आठवीं सीड सिंगापुर के लोह कीन यियू ने 18-21, 21-19, 21-14 से हराया। प्रणय पहला गेम जीतने का फायदा नहीं उठा पाये और अगले दो गेम हारकर मुकाबले से बाहर हो गए। श्रीकांत को पांचवीं सीड फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव ने 21-14, 17-21, 21-17 से हराया। पूर्व नंबर एक श्रीकांत ने पहला गेम हारने के बाद दूसरे गेम में संघर्ष दिखाते हुए जीत हासिल की, लेकिन निर्णायक गेम हारकर वह भी टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

टी20 विश्वकप को देखते हुए फिटनेस हासिल करने में लगे हैं हेजलवुड

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड अगले माह होने वाले टी20 विश्कप को देखते हुए फिटनेस हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं। हेजलवुड को 7 फरवरी से होने वाले विश्वकप के लिए टीम में शामिल किया गया है पर उनके खेलने का फैसला फिट होने पर ही लिया जाएगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम विश्वकप में अपना अभियान 11 फरवरी को कोलंबो में आयरलैंड के खिलाफ मुकाबले से करेगी। हेजलवुड टीम के प्रमुख गेंदबाजों में शामिल हैं, ऐसे में टीम को उनके फिट होने का इंतजार है। हेजलवुड ने हाल ही में एशेज सीरीज में काफी अच्छी गेंदबाजी की थी पर अब उन्हें ब्रेक मिला हुआ है। इसी कारण वह बिग बैश लीग (बीबीएल) से भी बाहर हैं। इस तेज गेंदबाज ने कहा कि आजकल वह अपनी गेंदबाजी, रनिंग और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग पर काम कर रहे हैं और ट्रैक पर वापस आने को लेकर सकारात्मक हैं। हेज़लवुड ने कहा, सब कुछ प्लान के हिसाब से चल रहा है। पिछले हफ़्ते मैंने हाफ-रन से कुछ गेंदबाजी की। रनिंग अच्छी चल रही है, स्ट्रेंथ की सभी चीजें

अच्छी चल रही हैं, तो हां, सब ट्रैक पर है। हेजलवुड का मानना है कि इस सत्र में लगातार फिटनेस संबंधी परेशानियों के कारण उनके लिए अपने शरीर को लय में बनाये रखना एक चुनौती रही है। इस सीजन में लगातार चोटों के बारे में हेजलवुड ने कहा, कभी-कभी, जब एक चीज ठीक होती है, तो दूसरी सामने आ जाती है। मुझे लगता है कि जब आप फिर से अभ्यास शुरू करते हैं, तो कभी-कभी आपके शरीर को रुकना और फिर से शुरू करना पसंद नहीं आता। इसलिए अब वह इन परेशानियों पर ज़्यादा ध्यान नहीं दे रहे।

शुभमन ने हार के लिए गेंदबाजी को जिम्मेदार बताया

–बीच के ओवरों में नहीं निकाल पाये विकेट

राजकोट(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में 7 विकेट से हार पर निराशा जताते हुए इसके लिए गेंदबाजी को जिम्मेदार बताया और कहा कि वे बीच के ओवरों में विकेट नहीं ले पाये। वहीं न्यूजीलैंड ने डेरिल मिचेल की शतकीय पारी 131 रनों की सहायता से ये मुकाबला आसानी से जीत लिया। कीवी टीम ने जीत के लिए मिले 285 रनों के लक्ष्य को 47.3 ओवर में ही हासिल कर लिया। शुभमन ने कहा, 'हम बीच के ओवरों में कोई विकेट नहीं ले पाये। साथ ही कहा कि अगर आप 5 फील्डर अंदर होने के बाद भी बीच के ओवरों में विकेट नहीं निकाल पाते हैं तो काफी कठिन स्थिति हो जाती है। ऐसे में अगर हमने कुछ अधिक रन भी बनाये होते तो भी हम अपने स्कोर का बचाव नहीं कर पाते। किसी भी टीम को रोकने के लिए विकेट लेना जरुरी होता है। अगर ऐसा नहीं होता है तो जीत दर्ज करना संभाव नहीं होता।' उन्होंने कहा कि हमने मेहमान टीम को एक चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया था। पहले 10 ओवरों में हमारी गेंदबाजी कसी हुई थी पर बाद में हम उसे बरकारार नहीं रख पाये। हम विरोधी टीम पर दबाव बनाने का प्रयास कर रहे थे पर सफल नहीं हुए। इसके अलावा जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, बल्लेबाजी आसान होती गई जिसका भी लाभ् मेहमान टीम को मिला। इसका कारण है कि विकेट अच्छी तरह से जम गया था. मुझे लगता है कि हमें बीच के के ओवरों में हमें जोखिम लेते हुए आक्रामक गेंदबाजी करनी चाहिये थी।'इसके अलावा कप्तान ने टीम की कमजोर फील्डिंग को भी हार के लिए जिम्मेदार माना है। उन्होंने

कहा कि हमने कई अवसर खोये अगर ऐसा नहीं होतो तो परिणाम कुछ और होता।

प्रणय और श्रीकांत इंडिया ओपन के दूसरे दौर में हारे

नई दिलली । भारत की उम्मीद एच एस प्रणय और किदांबी श्रीकांत इंडिया ओपन के दूसरे दौर में गुरुवार को तीन गेमों के संघर्षपूर्ण मुकाबले में हार कर बाहर हो गए। प्रणय को आठवीं सीड सिंगापुर के लोह कीन यियू ने 18–21, 21–19, 21–14 से हराया। प्रणय पहला गेम जीतने का फायदा नहीं उठा पाये और अगले दो गेम हारकर मुकाबले से बाहर हो गए। श्रीकांत को पांचवीं सीड फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव ने 21–14, 17–21, 21–17 से हराया। पूर्व नंबर एक श्रीकांत ने पहला गेम हारने के बाद दूसरे गेम में संघर्ष दिखाते हुए जीत हासिल की, लेकिन निर्णायक गेम हारकर वह भी टूर्नामेंट से बाहर हो गए। इस बीच महिला एकल में मालविका बंसोड़ को भी हार का सामना करना पड़ा। बंसोड़ को पांचवीं सीड हान युई ने 21–18, 21–15 से हराया। महिला एकल में भारत की सबसे बड़ी उम्मीद पीवी सिंधु बुधवार को पहले ही दौर में बाहर हो गई थी।

वोलवाड्र्ट को मिला दिसंबर महीने का प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड

दुबई । दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान लौरा वोलवाड्र्ट को दिसंबर 2025 में किये अच्छे प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड दिया गया है। वोल्वाड्र्ट ने इस अवार्ड की दौड़ में साथी सुने लुस और भारत की शैफाली वर्मा को भी पीछे छोड़ा। आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में वोलवाड्र्ट ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था। उन्होंने इसके अलावा एक महीने में सभी फॉर्मेट में तीन शतक लगाकर साल का समापन किया था। वोलवाड्र्ट ने पहले टी20 में 205.35 के शानदार स्ट्राइक रेट से नाबाद 115 रन बनाए जिसमें 15 चौके और चार छक्के शामिल थे। इसके बाद एकदिवसीय सीरीज में भी उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की। उन्होंने लगातार दो शतक लगाए जिसमें दूसरे एकदिवसयीय में 111 गेंदों में 124 रन और आखिरी मैच में नाबाद 100 रन थे। वोलवाड्र्ट ने तीनों एकदिवसीय में 127.50 के शानदार औसत और 111.84 के स्ट्राइक रेट से 255 रन बनाए। वहीं टी20 सीरीज में उन्होंने 190.27 के शानदार स्ट्राइक रेट से 137 रन बनाए और सिर्फ एक बार आउट हुईं। यह वोलवाड्र्ट का दूसरा प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड है, उन्होंने इससे पहले अक्टूबर 2025 में यह अवॉर्ड जीता था। अवार्ड दूसरी बार मिलने पर इस खिलाड़ी ने खुशी जतायी है। साथ ही कहा कि अब उनका ध्यान टी20 विश्वकप पर रहेगा।

सिराज रणजी ट्रॉफी के बचे हुए मुकाबलों में हैदराबाद की कप्तानी करेंगे

मुम्बई । तिलक वर्मा की जगह पर मोहम्मद सिराज को रणजी ट्रॉफी के बचे मुकाबलों के लिए हैदराबाद का कप्तान बनाया गया है। हैदराबाद की टीम को इस सत्र के अपने बचे हुए दो मैचों में 22 और

29 जनवरी को अपने घरेलू मैदान पर मुंबई और छत्तीसगढ़ से खेलना है। वहीं शुरुआती सत्र में कप्तान रहे तिलक को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए शामिल किया गया है। इसी कारण उनकी जगह सिराज को कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी है। तिलक हालांकि सजरी के कारण पहले तीन टी20 मैचों से बाहर रहेंगे। सिराज को पहली बार कप्तानी दी गयी है। सिराज मुंबई के खिलाफ बतौर कप्तान अपना डेब्यू मैच खेलेंगे। इससे पहले वह राष्ट्रीय टीम में होने कोरण उपलब्ध नहीं थे। चयन समिति ने कहा, हमने सिराज बात की है और वह बाकी सत्र के लिए उपलब्ध हैं। वह एक फाइटर हैं और हमेशा जीतना चाहते हैं, और हमें भरोसा है कि इसका असर दूसरों पर भी पड़ेगा। हाल में विजया हजारे ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करने वाले अमन राव पेराला को भी टीम में शामिल किया गया है।

हैदराबाद की टीम : मोहम्मद सिराज (कप्तान), जी राहुल सिंह (उप कप्तान), सीवी मिलिंद, तनय त्यागराजन, के रोहित रायुडू, के हिमातेजा, ए वरुण गौड़, एम अभिरथ रेड्डी, राहुल रादेश (विकेटकीपर), अमन राव पेराला, सीटीएल रक्षण रेडी, एन नितिन साई यादव, कनाला नितेश रेड्डी, साई प्रगनय रेड्डी (विकेटकीपर) और बी पुन्नैया।

स्टैंडबाय : मिकिल जयसवाल, ए अवनीश राव (विकेटकीपर), कार्तिकेय काक, प्रणव वर्मा और पी नीतीश रेड्डी।

विजय हजारे ट्रॉफी के सेमीफाइनल में आज होगा पंजाब और सौराष्ट्र का मुकाबला

बेंगलुरु (एजेंसी)। पंजाब की टीम शुक्रवार को विजय हजारे ट्रॉफी क्रिकेट 2025-26 के सेमीफाइनल में सौराष्ट्र से खेलेगी। मुंबई के खिलाफ मैच में मिली जीत से पंजाब की टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। जिससे अब उनका लक्ष्य इस मैच को जीतकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाना रहेगा। जैसी मजबूत घरेलू टीम के खिलाफ आखिरी ग्रुप मैच में एक रन की रोमांचक जीत के बाद पंजाब का आत्मविश्वास सातवें आसमान पर है। वहीं इससे पहले क्वार्टरफाइनल में उसने मध्य प्रदेश को आसानी से हराया था।

इस मैच में कप्तान अभिषेक शर्मा के नहीं होने से प्रभुसिमरन सिंह टीम की कप्तानी करेंगे। क्वार्टरफाइनल में प्रभुसिमरन, अनमोलप्रीत सिंह और नेहाल वढेरा ने अर्धशतक लगाये थे जिससे तय है कि ये खिलाड़ी अच्छी लय में है। ऐसे में टीम को इनसे सेमीफाइनल में भी बड़े स्कोर की उम्मीद रहेगी। इन बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना सौराष्ट्र के गेंदबाजों के लिए काफी कठिन रहेगा। वहीं गेंदबाजी में भी पंजाब का आक्रमण अच्छा है। उसके पास तेज गेंदबाज गुरनूर बरार के अलावा तेज गेंदबाज संवीर सिंह भी है। इन दोनो का अब तक का प्रदर्शन अच्छा रहा है।

वहीं सौराष्ट्र की टीम की उम्मीदें सलामी बल्लेबाज हरविक देसाई पर रहेंगी। इस सत्र में उन्होंने तीन शतक और दो अर्धशतक लगाए हैं और टीम की बल्लेबाजी उनपर आधारित है। उसने पिछले मैच में उत्तर प्रदेश को हराया है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। उसके पास तेज गेंदबाज के तौर पर चेतन साकारिया हैं, जिन्होंने लगातार पिछले तीन मैचों में तीन-तीन विकेट लिए हैं। इसके अलावा अनुभवी तेज गेंदबाज चिराग जानी भी अहम भूमिका निभा सकते है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

सौराष्ट्र: रुचित आहिर, पार्थ भूट, युवराज चूड़सामा, हरविक देसाई, सम्मर गज्जर, अंश गोसाई, विश्वराज जडेजा, धर्मेंद्रसिंह जडेजा, चिराग जानी, जय गोहिल, हितेन कंबी, प्रणव करिया, हेत्विक कोटक, प्रेरक मांकड़, अंकुर पंवार, पारस्वराज राणा, चेतन साकारिया, तरंग गोहिल

पंजाब: अभिषेक शर्मा, अनमोलप्रीत सिंह, सलील अरोड़ा, अर्शदीप सिंह, सुखदीप सिंह बाजवा, गौरव चौधरी, गुरनूर ब्रार, हरनूर सिंह, हरप्रीत ब्रार, जशनप्रीत सिंह, कृष्ण भगत, नामन धीर, प्रब्सिमरन सिंह, रमणदीप सिंह, उदय सहारण, संवीर सिंह, रघु शर्मा, शुभमन गिल।

19 साल की कनाडाई खिलाड़ी म्बोको ने मेडिसन कीज को हराया

एडिलेड । 19 साल की कनाडाई खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको ने गुरुवार को एडिलेड इंटरनेशनल में मैडिसन कीज के टाइटल डिफेंस को 6–4, 4–6, 6–2 से हराकर खत्म कर दिया। यह इस हफ्ते डब्ल्यूटीए 500 इवेंट में खेले गए उतने ही मैचों में उनकी तीसरी तीन–सेट वाली जीत थी। एक सेट और एक ब्रेक से आगे होने के बाद, कीज के खिलाफ म्बोको के लिए चीजें मुश्किल हो गईं जिन्होंने 2022 में एडिलेड से एक ट्रॉफी भी जीती थी। लेकिन मौजूदा ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन आखिरी सेट में थक गईं और म्बोको ने आखिरकार 1 घंटे और 53 मिनट में अपने छोटे से करियर की दूसरी टॉप 10 जीत हासिल की। कनाडाई खिलाड़ी ने कीज के आखिरी सेट की शुरुआत में सर्व होल्ड करने के बाद लगातार पांच गेम जीते और जीत हासिल की। उन्हें डिफेंडिंग चैंपियन के उतार–चढ़ाव वाले प्रदर्शन का फायदा मिला, जिन्होंने कुल 41 अनफोर्स्ड एरर किए और – नौ ऐस मारने के बावजूद – 12 ब्रेक पॉइंट का सामना किया और छह बार सर्व गंवाई। म्बोको ने बाद में कहा, 'मुझे पता है कि उसने पिछले साल यह टूर्नामेंट जीता था, और बेशक, ऑस्ट्रेलियन ओपन भी, और मुझे इस मैच में आने से पहले पता था कि यह एक बड़ी लड़ाई होगी।' आठवीं सीड अब सेमीफाइनल में पसंदीदा स्थिति में होंगी क्योंकि वह डब्ल्यूटीए टूर पर अपने तीसरे करियर फाइनल की तलाश में हैं जो सभी पिछले अगस्त में मॉन्ट्रियल में अपने घरेलू मैदान पर डब्ल्यूटीए 1000 टाइटल जीतने के बाद से आए हैं। उस टूर्नामेंट के पहले राउंड में, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की किम्बर्ली बिररेल को हराया था और यह जोड़ी इस बार फिर खेलेगी, जिसमें बिना सीड वाली बिररेल को अब घरेलू दर्शकों का फायदा मिलेगा। 27 साल की गोल्ड कोस्ट की रहने वाली खिलाड़ी ने अपने करियर में पहली बार डब्ल्यूटीए 500–लेवल के सेमीफाइनल में जगह बनाई, जिसमें उन्होंने तीन सेट में जीत हासिल की – रोमानिया की जैकलिन क्रिस्टियन के खिलाफ 5–7 6–1, 7–5 का एक शानदार मैच जो 3 घंटे और 4 मिनट तक चला।

खिलाड़ियों के विरोध के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के निदेशक नजमुल हटाये गये

ढाका (एजेंसी)। खिलाड़ियों के भारी विरोध को देखते हुए बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के निदेशक एम नजमुल इस्लाम को पद से हटा दिया गया है। नजमुल से खिलाड़ी बेहद नाराज थे और उन्होंने धमकी दी थी कि अगर नजमुल नहीं हटाये गये तो वे हड़ताल कर देंगे। खिलाड़ियों ने नजमुल के बयानों पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा था कि उन्होंने हद पार कर दी है। लिया है।

क्रिकेटर्स वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ बांग्लादेश ने नजमुल इस्लाम के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए कहा था कि वह अपने पद से इस्तीफा नहीं देते हैं, तो खिलाड़ी सभी प्रारुपों का बहिष्कार करेंगे। खिलाड़ी इसलिए नाराज थे क्योंकि नजमुल ने पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को भारतीय एजेंट कहा था। खिलाड़ियों ने इसे अपना अपमान बताया। इस मामले को सुलझाने के लिए एसोसिएशन और बीसीबी के अधिकारियों के बीच बातचीत भी हुई पर कोई हल नहीं निकला।खिलाड़ियों ने अपने फैसले पर बरकरार रहते हुए तय समय से कई घंटे पहले तक मैदान पर न आने का फैसला किया। इसके चलते बांग्लादेश प्रीमियर लीग का शुरुआती मैच भी शुरु नहीं हो पाया।

नीरज चोपड़ा को मिली मंजूरी, ट्रेनिंग के लिए पोटचेफस्ट्रूम रवाना

नई दिल्ली(एजेंसी)। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भारतीय भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने अपने चुने हुए स्थल दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में सत्र पूर्व ट्रेनिंग शुरू कर दी है। खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल (रूस्पष्ट) ने नए कोच जय चौधरी के साथ उनके 32 दिवसीय शिविर को मंजूरी दे दी है। नीरज ने पिछले हफ्ते चेक गणराज्य के दिग्गज जान जेलेजनी से कोच के तौर पर अलग होने का फैसला किया और चौधरी के साथ जुड़ने का फैसला किया जो उनके शुरुआती कोच थे और इस सुपरस्टार के गृहनगर पानीपत में भाला फेंक के खिलाड़ियों को ट्रेनिंग देते हैं।

भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया कि

यह 28 वर्षीय खिलाड़ी पांच फरवरी तक पोटचेफस्ट्रूम में रहेगा जो दुनिया भर के भाला फेंक के खिलाड़ियों के लिए एक प्रमुख ट्रेनिंग स्थल है और उनके लिए कुल स्वीकृत सहायता राशि 11 लाख 80 हजार रुपए है। टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) में शामिल एलीट खिलाड़ियों को वित्तीय और साजो-सामान से जुड़ी सहायता पर फैसला करने वाला एमओसी ने बुधवार को यहां बैठक की थी। ट्रेनिंग शिविर में नीरज की सहयोगी टीम में लंबे समय से उनके फिजियोथेरेपिस्ट इशान मारवाहा भी शामिल हैं।

सूत्र ने कहा, 'इस ट्रेनिंग शिविर का लक्ष्य इस साल होने वाली प्रमुख प्रतियोगिताओं जिसमें एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेल शामिल हैं, से पहले उनकी शारीरिक अनुकूलनता, ताकत और तकनीकी निरंतरता को बेहतर बनाना है। स्वीकृत प्रस्ताव के अनुसार वित्तीय सहायता में उनके ट्रेनिंग शिविर का खर्च, जिम और ट्रेनिंग मैदान तक पहुंच, हवाई अड्डे से आना-जाना और जेब खर्च शामिल होगा।'

हरियाणा के इस खिलाड़ी को पिछले साल एडक्टर मांसपेशी में खिंचाव की समस्या थी लेकिन इसके बावजूद वह दोहा डाइमंड लीग में 90 मीटर का आंकड़ा पार करने में कामयाब रहे थे। हालांकि उनके लिए एक बड़ी निराशा पिछले साल सितंबर में तोक्यो विश्व चैंपियनशिप में आठवें स्थान पर रहना था जिसके बाद उन्होंने अपनी फिटनेस समस्याओं को ठीक करने के लिए ब्रेक लेने का फैसला किया। वह तोक्यो में गत चैंपियन थे लेकिन पूरे मुकाबले के दौरान साफ तौर पर असहज दिखे। उम्मीद है कि नीरज मई में दोहा डाइमंड लीग में अपने 2026 सत्र की शुरुआत करेंगे। एमओसी की 167वीं बैठक में विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों के प्रस्तावों के लिए कुल एक करोड़ 40 लाख रुपये मंजूर किए गए। सूत्र ने बताया, 'इसमें दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में सचिन यादव के लिए विशेष भाला फेंक उपकरण का आग्रह भी शामिल है।' यादव पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में चौथे स्थान पर रहकर सुर्खियों में आए थे। उन्होंने विश्व चैंपियनशिप में पदार्पण करते हुए नीरज से बेहतर प्रदर्शन किया था। एमओसी की अगली बैठक फरवरी के बीच में होने की उम्मीद है और सूत्रों के अनुसार उस बैक में कोर और डेवलपमेंट समूल के खिलाड़ियों की मौजूदा सूची की कड़ी समीक्षा की जाएगी।

सूत्र ने कहा, 'बुधवार को बैठक ऑनलाइन हुई थी और हालांकि इसी में समीक्षा की जानी थी लेकिन हमने फैसला किया कि खिलाड़ियों की समीक्षा आमने-सामने की बैठक में की जानी चाहिए। इसलिए फरवरी की बैठक महत्वपूर्ण होगी।' कोर समूह के खिलाड़ियों की संख्या अभी 118 है जिसमें 57 सामान्य और 61 पैरा खिलाड़ी शामिल हैं।

अगस्त में बीडब्लयूएफ विश्व चैंपियनशिप में शामिल होंगे एंटोनसन, वायु प्रदूषण के कारण इंडिया ओपन सुपर से नाम वापस लिया

नई दिल्ली। डेनमार्क के स्टार खिलाड़ी एंडर्स एंटोनसन ने कहा है कि वह अगस्त में होने वाली बीडब्लयूएफ बैडमिंटन (बीडब्लयूएफ) विश्व चैंपियनशिप में भाग ले सकते हैं। एंटोनसन के अनुसार वह दिल्ली में वायु प्रदूषण के कारण इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शामिल नहीं हुए हैं। एंटोनसन ने गत सप्ताह ही इंडिया ओपन से नाम वापस लेने पर फैसला कर लिया पर तब कारणों का खुलासा नहीं किया था। वहीं अब विश्व के इस दूसरे नंबर के खिलाड़ी ने सोशल मीडिया में अपने इस फैसले का कारण बताया है। इस खिलाड़ी को एंटोनसन ने कहा, 'उम्मीद है कि जब दिल्ली में विश्व चैंपियनशिप होगी तो हालात बेहतर होंगे। एंटोनसन ने इंडिया ओपन का ड्रॉ निकाले जाने से पहले ही प्रतियोगिता से नाम वापस ले लिया था पर पर फिर भी प्रतियोगिता से हटने के कारण बैडमिंटन की विश्व संचालन संस्था (बीडब्ल्यूएफ) ने उन पर पांच हजार अमेरिकी डॉलर का जुर्माना लगाया था। एंटोनसन पिछली बार 2023 में इंडिया ओपन में खेले थे जहां वह दूसरे दौर में हार गए थे।

कृषि को आर्थिक वृद्धि का इंजन बनाने की मांग पकड़ रही है जोर

नई दिल्ली ।

विशेषज्ञ और उद्योग जगत के जानकार आगामी बजट से पहले कृषि क्षेत्र में डिजिटल अवसंरचना, जलवायु-अनुकूल खेती और नई प्रौद्योगिकियों में निवेश की जोरदार वकालत कर रहे हैं। उनका कहना है कि इससे देश की आधी आबादी को रोजगार देने वाले क्षेत्र में उत्पादकता और आर्थिक योगदान बढ़ाया जा सकता है। भारत में करीब 45 फीसदी कार्यबल कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र में है, लेकिन सकल मूल्यवर्धन में योगदान केवल 18 फीसदी के आसपास है। राष्ट्रीय गोकुल मिशन और डिजिटल पशुधन मिशन के माध्यम से 3,00,000 से अधिक किसानों को संगठित किया गया है। जीएसटी सुधारों ने संगठित दुग्ध क्षेत्र में पनीर, घी और मक्खन जैसी उच्च प्रोटीन उत्पादों की मांग बढ़ाई। उद्योग विशेषज्ञों ने गुणवत्तापूर्ण चारे, पशु चिकित्सकों की कमी को पूरा करने के लिए महाविद्यालयों की क्षमता बढ़ाना और लघु दुग्ध इकाइयों, विशेषकर महिला उद्यमियों के लिए पूंजीगत सब्सिडी की मांग की है।

आरएम ड्रिप नासिक में 12,000 टन क्षमता की नई इकाई लगाएगी

नई दिल्ली ।

आरएम ड्रिप एंड स्प्रिंकलर सिस्टम्स के निदेशक मंडल ने महाराष्ट्र के नासिक जिले के सिन्नर में 12,000 टन प्रति वर्ष की उत्पादन क्षमता वाली नई इकाई स्थापित करने को मंजूरी दी है। यह इकाई कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी, ब्रह्मानंद पाइप्स प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से स्थापित होगी। नई इकाई के चलते कंपनी की कुल उत्पादन क्षमता में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि होगी। प्रबंध निदेशक ने कहा कि यह विस्तार कंपनी की वृद्धि रणनीति में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और इससे निरंतर राजस्व वृद्धि, बेहतर लाभ और मजबूत निष्पादन क्षमताओं की नींव रखी जाएगी। आरएम ड्रिप एंड स्प्रिंकलर सिस्टम्स सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों और घटकों का निर्माण करती है और डिजाइन, निर्माण और स्थापना सहित संपूर्ण समाधान प्रदान करती है। कंपनी का वितरण नेटवर्क महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश में फैला हुआ है।

एमआरपीएल का मुनाफा बढ़कर 1,445 करोड़

मंगलुरु ।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी मंगलूर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) का 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त तीसरी तिमाही में मुनाफा 1,445 करोड़ रुपये रहा। पिछली वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह लाभ 304 करोड़ रुपये था, यानी लाभ चार गुना से अधिक बढ़ा। कंपनी की परिचालन आय इस तिमाही में 29,720 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वर्ष की 25,601 करोड़ रुपये* के मुकाबले लगभग 16 फीसदी अधिक है। एमआरपीएल ने बीती तिमाही में 47 लाख टन कच्चे तेल का प्रसंस्करण किया और मंगलूरू में आईएसपीआरएल कैवर्न इकाई में कच्चे तेल का भंडारण शुरू किया। कंपनी के निदेशक मंडल ने 14 जनवरी 2026 को समेकित वित्तीय नतीजों को मंजूरी दी।

मोबाइल निर्माताओं के लिए सोर्स कोड साझा करना अनिवार्य नहीं- एमएआईटी

नई दिल्ली । सोर्स कोड कंप्यूटर भाषा में लिखा निर्देशों का समूह है, जो बताता है कि मोबाइल फोन, ऐप या सॉफ्टवेयर कैसे काम करेगा। इसके बिना मोबाइल का संचालन, ऐप्स खुलना, भुगतान या डेटा सुरक्षा संभव नहीं है। हाल ही में यह चर्चा सामने आई थी कि सुरक्षा जांच के लिए मोबाइल कंपनियों को सोर्स कोड साझा करना पड़ सकता है। इससे यह गलतफहमी पैदा हुई कि यह अनिवार्य है। सूचना प्रौद्योगिकी विनिर्माण संघ (एमएआईटी) ने स्पष्ट किया कि 18 जून 2025 के मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन में सोर्स कोड साझा करना अनिवार्य नहीं बताया गया है। संगठन में एप्पल, सैमसंग, वनप्लस, नोकिया और लेनोवो जैसी कंपनियां शामिल हैं। मोबाइल सुरक्षा को लेकर मंत्रालय उद्योग के साथ लगातार बातचीत कर रहा है, क्योंकि स्मार्टफोन अब बैंकिंग और निजी डेटा के लिए व्यापक रूप से उपयोग हो रहे हैं।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर वर्चुअल बातचीत फिर शुरू

- दोनों देश समझौते को अंतिम रूप देने के लिए प्रतिबद्ध

नई दिल्ली ।

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर वर्चुअल बातचीत एक बार फिर शुरू हो गई है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के अनुसार साल के अंत में छुट्टियों के कारण यह वार्ता कुछ समय के लिए रोक दी गई थी, लेकिन अब दोनों देशों के मुख्य वार्ताकार आभासी माध्यम से फिर संपर्क में हैं। हालांकि, आमने-सामने की बातचीत या समझौते को अंतिम रूप देने की कोई समय-सीमा अभी तय नहीं की गई है। पिछली बार व्यापार वार्ता दिसंबर में हुई थी, जब अमेरिकी व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भारत आया था। इस दल का नेतृत्व अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) के उप-प्रतिनिधि रिक स्विट्जर ने किया था। अवकाश के चलते वार्ता आगे नहीं बढ़ पाई, जिससे समझौते को लेकर अनिश्चितता बनी रही। इस बीच भारत में नए अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भारत-अमेरिका संबंधों को लेकर सकारात्मक रुख जताया है। उन्होंने कहा कि दोनों देश सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं और व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। देर शाम विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बीच फोन पर बातचीत हुई, जिसमें व्यापार, दुर्लभ खनिज, परमाणु ऊर्जा और रक्षा सहयोग पर चर्चा की गई। दोनों देशों ने स्वतंत्र और मुक्त हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई। अधिकारी के अनुसार, भारत और अमेरिका दो समानांतर रास्तों पर काम कर रहे हैं–एक व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौता और दूसरा ढांचागत व्यापार समझौता, जिसमें 50 प्रतिशत जवाबी शुल्क जैसे मुद्दों पर ध्यान दिया जाएगा।

बायोकॉन ने क्यूआईपी के जरिये जुटाए 4,150 करोड़

नई दिल्ली ।

जैव-प्रौद्योगिकी कंपनी बायोकॉन ने पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) प्रक्रिया के जरिये 4,150 करोड़ रुपये जुटाए हैं। बेंगलुरु स्थित कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इस पहल के तहत पात्र संस्थागत खरीदारों को पांच रुपये अंकित मूल्य के 1,12,664,585 शेयर 368.35 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर जारी किए गए। कंपनी के अनुसार 12 जनवरी से 14 जनवरी तक जारी क्यूआईपी में घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों ने काफी रुचि दिखाई जो कंपनी की वृद्धि संभावनाओं में उनके मजबूत विश्वास को दर्शाता है। बायोकॉन ने कहा कि क्यूआईपी से प्राप्त धनराशि का उपयोग मुख्य रूप से बायोकॉन बायोलॉजिक्स लिमिटेड में अपनी शेयरधारिता खरीदने के लिए माइलन इंक (वियाट्रिस) को देय नकद राशि का भुगतान करने के लिए किया जाएगा। इससे इस संबंध में लिए गए ऋण का पुनर्भुगतान भी शामिल है।

प्रेस्टीज एस्टेट्स की बिक्री बुकिंग अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 39 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट कंपनी प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स की बिक्री बुकिंग चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 39 प्रतिशत बढ़कर 4183.6 करोड़ रुपये हो गई है। बेंगलुरु स्थित कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों के दौरान कंपनी की बिक्री बुकिंग दोगुना होकर 22,327.3 करोड़ रुपये रही। प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीनों (अप्रैल-दिसंबर) में हासिल किया गया रिकॉर्ड प्रदर्शन हमारी परियोजनाओं की बढ़ती मांग का ठोस प्रमाण है, अक्टूबर-दिसंबर 2025 तिमाही में कुल बिक्री क्षेत्रफल 29.9 लाख वर्ग फुट रहा जबकि अप्रैल-दिसंबर में यह 1.695 करोड़ वर्ग फुट तक पहुंच गया।अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी ने 1,811 इकाई बेची जिससे वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीनों में बेची गई कुल इकाई की संख्या 8,598 हो गई। प्रेस्टीज ग्रुप भारत के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है। यह कंपनी प्रमुख शहरों में आवासीय, वाणिज्यिक (कार्यालय व खुदरा) और आतिथ्य परियोजनाएं बनाती है। समूह ने सितंबर 2025 तक 20.2 करोड़ वर्ग फुट में फैली 310 परियोजनाएं पूरी कीं। वर्तमान में 19.9 करोड़ वर्ग फुट में फैली 130 परियोजनाएं प्रक्रिया के विभिन्न चरण में हैं।

नगरपालिका चुनाव के लिए शेयर बाजार बंद करना गलत, यह है पूअर प्लानिंग

कामत बोले-ट्रेडिंग रोकना भारत जैसे बढ़ते ग लोबल मार्केट के लिए अच छा मैसेज नहीं

मुंबई, ।

जीरोधा के को-फाउंडर और अरबपति नितिन कामत ने गुरुवार को शेयर बाजार बंद होने पर नाराजगी जाहिर की है। उनका कहना है कि महाराष्ट्र के नगरपालिका चुनाव के लिए शेयर बाजार बंद करना गलत है, किसी स्े थानीय चुनाव की वजह से ट्रेडिंग रोकना भारत जैसे बढ़ते ग्लोबल मार्केट के लिए अचे छा मैसेज नहीं है। कामत ने एक्स पर लिखा कि भारतीय एक्सचेंज इंटरनेशनल सिस्टम से जुड़े हैं, ऐसे में लोकल लेवल के चुनाव के लिए बाजार बंद करना पूअर प्लानिंग है। यह विदेशी निवेशकों के बीच भारत की गंभीरता पर सवाल खड़ा करती है।

बता दें 15 जनवरी को महाराष्े ट्र में नगरपालिक चुनाव हो रहा है, जिस कारण बीएसई और एनएसई में ट्रेडिंग पूरी तरह से बंद किया है। इसका मतलब है कि बीएमसी चुनाव के कारण पूरे देश में शेयर बाजार बंद किए गए हैं। कामत के मुताबिक ऐसे फैसलेन सिर्फ निवेशकों को प्रभावित करते हैं बल्कि भारत की ग्े लोबल निवेश में गंभीरता पर सवाल उठाते हैं। उन्होंने कहा कि यह पूअर प्लानिंग और सेकेंड ऑर्डर इफैके ट की समझ की कमी दिखाता है। कामत ने तर्क दिया कि भारत एके सचेंज अब सिर्फ स्े थानीय प्लेटफॉर्म नहीं रहे, बल्कि ग्लोबल फाइनेंस स्े ट्रके चर से जुड़े हुए हैं। ऐसे में स्थानीय लेवल के चुनाव के नाम पर पूरे बाजार को बंद कर देना गलत संदेश देता है। उन्होंने मशहूर निवेशक चार्ली मंगर का कोट भी शेयर किया। कामत ने यह भी कहा कि मार्केट इसलिए बंद है के योंकि इसे कोई रोकने वाला नहीं है।

इस कारण ऐसा सिस्टम चल रहा है।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स हमें कितना सीरियस लेते हैं, इससे अंदाजा लगाइए।

ह्यह्यउन्े होंने आगे कहा कि दुनिया की मार्केट स्थानीय स्े थानीय चुनावों या फिर आंशिक छुट्टियों के कारण बंद नहीं होती हैं।

हॉलिडे होने से ग्लोबल फंड फ्लो और इंटरनेशनल लिंके ड प्रोडके ट्स पर असर होता है।

थोक महंगाई दिसंबर में 8 महीने के उच्च स्तर पर, मुख्य महंगाई दर भी बढ़ी

- खाद्य महंगाई दर नवंबर में यह -2.6 फीसदी थी

नई दिल्ली ।

कंपनियों और कॉमर्स मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार दिसंबर 2025 में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित महंगाई दर 0.83 फीसदी दर्ज की गई, जो पिछले 8 महीनों में सबसे उच्च स्तर है। यह संकेत है कि लंबे समय से जारी अवस्फीति का दौर धीरे-धीरे समाप्त हो रहा है और महंगाई बढ़ने लगी है। खाद्य महंगाई दिसंबर में 0 फीसदी पर स्थिर रही, जबकि नवंबर में यह -2.6 फीसदी थी। प्राथमिक खाद्य वस्तुओं की अवस्फीति दिसंबर में -0.43 फीसदी रही, जो नवंबर के -4.16 फीसदी से कम है। सब्जियां -3.5, मोटे अनाज -1.18, दलहन -13.44 और प्याज -54.4 फीसदी रही। इसके विपरीत, धान और फलों पर महंगाई का दबाव देखा गया। इससे पता चलता है कि महंगाई के दबाव अब कुछ वस्तुओं पर धीरे-धीरे बढ़ रहे हैं। मुख्य महंगाई दर, जिसमें खाद्य और ईंधन शामिल नहीं हैं, दिसंबर में 2 फीसदी पर पहुंच गई, जो 34 महीने में उच्चतम स्तर है। एक वरिष्ठ अर्थशास्त्री ने कहा कि रुपये की कमजोरी और वैश्विक कीमतों में वृद्धि मुख्य कारण हैं। उन्होंने अनुमान लगाया कि जनवरी 2026 में थोक खाद्य महंगाई और बढ़ सकती है।

उन्होंने कहा कि अच्छी कृषि फसल, अनुकूल आधार प्रभाव और पर्याप्त जलाशय के कारण खाद्य महंगाई पर नियंत्रण की उम्मीद है।

एक्स ने ग्रोक एआई में आपत्तिजनक तस्वीरें बनाने पर लगाया प्रतिबंध

- सभी उपयोगकर्ताओं पर लागू होगा नया नियम

नई दिल्ली ।

सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स ने अपने एआई चैटबॉट ग्रोक के माध्यम से आपत्तिजनक कपड़ों में लोगों की तस्वीरें बनाने और संपादित करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह नियम सभी उपयोगकर्ताओं पर लागू होगा, चाहे वे मुफ्त सेवा ले रहे हों या सशुल्क ग्राहक हों। अब केवल पेड सब्सक्राइबर्स ही ग्रोक के जरिए तस्वीर बनाने और एडिट करने की सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे। कंपनी का कहना है कि यह कदम दुरुपयोग रोकने और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है। एक्स ने कहा है कि वह उन क्षेत्रों में, जहां इस तरह की सामग्री कानूनी तौर पर अवैध है, तस्वीर बनाने की क्षमता को भौगोलिक रूप से ब्लॉक करेगा। कंपनी ने स्पष्ट किया कि इससे उसके मौजूदा सुरक्षा नियमों में कोई बदलाव नहीं होगा। सभी एआई जनरेटेड कंटेंट को प्लेटफ़ॉर्म की नीतियों और स्थानीय कानूनों के अनुसार मॉनिटर किया जाएगा। एक्स ने यह भी कहा कि बाल यौन शोषण, बिना सहमति की नग्नता और अवांछित यौन सामग्री को कभी भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उल्लंघन करने वाले खातों को स्थायी रूप से निलंबित किया जाएगा और जरूरत पड़ने पर उपयोगकर्ताओं की जानकारी कानून प्रवर्तन एजेंसियों को भी दी जाएगी। भारत, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ सहित कई देशों की सरकारें ग्रोक पर डीपफेक और आपत्तिजनक एआई जनरेटेड तस्वीरों को लेकर सवाल उठा रही हैं। भारत के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने भी एक्स को चेतावनी दी थी कि अवैध सामग्री हटाई जाए, अन्यथा कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने हटाया 10 मिनट डिलीवरी का दावा

नई दिल्ली ।

स्विगी इंस्टामार्ट, जेप्टो और ब्लिंकइट जैसे प्रमुख क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने अपने मोबाइल ऐप और विज्ञापन से 10 मिनट में डिलीवरी का दावा हटाना शुरू कर दिया है। उदाहरण के लिए, ब्लिंकइट ने अपनी टैगलाइन बदलकर '10 मिनट में 10,000 से उत्पाद से 30,000 उत्पाद आपके दरवाजे पर कर दिया। जेप्टो और स्विगी इंस्टामार्ट ने अपने ऐप विवरण में 10 मिनट में डिलीवरी के बजाय 'मिनटों में डिलीवरी' शब्द जोड़े। बिगबास्केट और फ्लिपकार्ट मिनट्स ने भी गति-संचालित संदेश हटाए हैं। हालांकि ब्रांडिंग बदल रही है, लेकिन डिलिवरी पार्टनर का कहना है कि जमीन पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। नोएडा के स्विगी इंस्टामार्ट डिलिवरी कर्मी राकेश ने कहा कि कंपनी ने उन्हें कोई औपचारिक आदेश नहीं दिया है और ऑर्डर और डिलीवरी समय-सीमा पहले की तरह ही हैं। जेप्टो के कर्मचारी भी यही पुष्टि कर रहे हैं। यूनियनों का कहना है कि वास्तविक प्रभाव तभी दिखेगा जब ऐप और प्लेटफॉर्म्स अपने राइडर-फेसिंग ऐप और प्रोत्साहन संरचना में बदलाव लाएंगे। केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने गिग श्रमिकों की सुरक्षा और 10 मिनट डिलीवरी जैसी समय-सीमाओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने ब्लिंकइट, स्विगी इंस्टामार्ट, जेप्टो और अन्य प्लेटफॉर्म्स के प्रतिनिधियों से बैठक की। हालांकि, अभी तक कोई औपचारिक लिखित निर्देश जारी नहीं किया गया है।

भारत की अर्थव्यवस्था बरकरार रखेगी तेज़ रफ्तार

- वर्ल्ड बैंक और डेलॉयट ने बढ़ाया ग्रोथ अनुमान

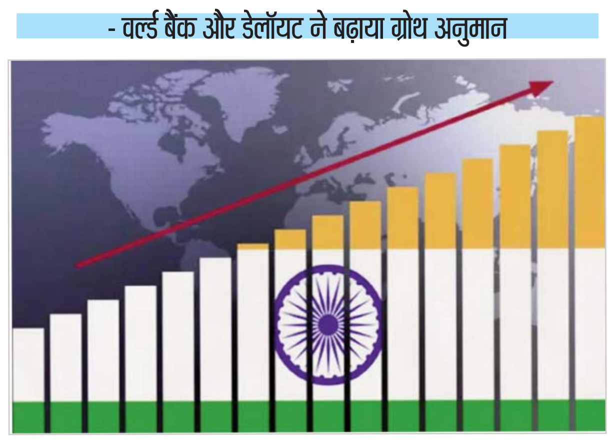

नईदिल्ली।

वर्ल्ड बैंक ने भारत की अर्थव्यवस्था के लिए` वित्त वर्ष 2026 का जीडीपी ग्रोथ अनुमान 6.3 फीसदी से बढ़ाकर 7.2 फीसदी कर दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी टैरिफ के बावजूद मजबूत घरेलू मांग और उपभोग के बेहतर रुझान भारत की वृद्धि को प्रभावित नहीं करेंगे। ग्रामीण आय में सुधार और सरकार द्वारा किए गए टैक्स कटौती ने घरेलू खपत को मजबूती दी है। डेलॉयट ने भी भारत के लिए आशाजनक अनुमान पेश किया है। वित्त वर्ष 2026 में ग्रोथ रेट 7.5 से 7.8 फीसदी रहने का अनुमान है। एजेंसी ने कहा कि मजबूत घरेलू डिमांड और सर्विस सेक्टर की गतिविधियों में मजबूती से भारत की अर्थव्यवस्था रफ्तार बनाए रखेगी। `वित्त वर्ष 2026-27 में वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण ग्रोथ रेट थोड़ी गिरकर 6.6-6.9 फीसदी हो सकती है। डेलॉयट ने भारत के निर्यात में विविधता लाने वाली नई फ्री ट्रेड डील्स को आर्थिक मजबूती का एक कारण बताया। भारत ने ब्रिटेन, न्यूजीलैंड और ओमान के साथ समझौते किए हैं, जबकि इजराइल के साथ व्यापार और निवेश संबंधों का विस्तार करने की बातचीत जारी है। वैश्विक व्यापार तनाव, विकसित अर्थव्यवस्थाओं में नीतिगत बदलाव और अस्थिर कैश फ्लो जैसी चुनौतियाँ बनी हुई हैं, लेकिन घरेलू सुधार और त्योहारी मांग ने पॉजिटिव आउटलुक को बल दिया है। भारत नॉमिनल जीडीपी में 8त्न की वृद्धि के साथ` वित्त वर्ष 2026 में बेहतर प्रदर्शन करेगा।

बैंक और एनबीएफसी स्वचालित शिकायत प्रबंधन प्रणाली स्थापित करें

- अस्वीकार की गई शिकायतें स्वतः आईओ के कार्यालय में भेजी जाएंगी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को निर्देश दिया कि वे पूरी तरह स्वचालित शिकायत प्रबंधन प्रणाली स्थापित करें। इस प्रणाली में ग्राहक को शिकायत दर्ज करने और उसकी समीक्षा के लिए आंतरिक लोकपाल (आईओ) और उप-लोकपाल तक पहुंच सुनिश्चित करनी होगी। इसका उद्देश्य शिकायत निवारण प्रक्रिया को तेज़, पारदर्शी और जवाबदेह बनाना है। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि बैंक या एनबीएफसी द्वारा आंशिक रूप से हल या पूरी तरह अस्वीकार की गई शिकायतें स्वतः आईओ के कार्यालय में भेजी जाएंगी। आईओ को इन शिकायतों की समीक्षा के लिए कम से कम 10 दिन दिए जाएंगे। जिन मामलों में आरबीआई, एनपीसीआई या कार्ड नेटवर्क के दिशानिर्देशों में समय-सीमा तय है, उनका समाधान उसी के अनुसार किया जाएगा। अन्य मामलों में शिकायत प्राप्ति के 20 दिन के भीतर समीक्षा पूरी करनी होगी। क्रेडिट सूचना कंपनियों से जुड़ी शिकायतों के लिए समय सीमा 25 दिन रखी गई है। आईओ कार्यालय जनता से सीधे शिकायतें नहीं देखेगा, बल्कि केवल उन शिकायतों पर विचार करेगा जिन्हें बैंक पहले जांच चुका हो और जिन्हें आंशिक समाधान या खारिज किया गया हो। आरबीआई का यह कदम बैंकिंग क्षेत्र में ग्राहक शिकायतों के त्वरित निपटान और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे ग्राहक संतुष्टि बढ़ेगी और बैंक/एनबीएफसी की जवाबदेही मजबूत होगी।

तेल कंपनियों का तीसरी तिमाही में प्रदर्शन मजबूत रहने की

पिछली साल की समान तिमाही में यह 3 से 6 डॉलर प्र ति बैरल था

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में भारत की प्रमुख तेलशोधन और विपणन कंपनियों का प्रदर्शन मजबूत रहने की उम्मीद है। सरकारी तेल कंपनियों का जीआरएम इस तिमाही 10 से 13 डॉलर प्रति बैरल रहने की संभावना है, जबकि पिछली साल की समान तिमाही में यह 3 से 6 डॉलर था। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का जीआरएम 13.4 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान है, जो पिछले साल 10.4 डॉलर था। कच्चे तेल की कीमतें कम रहने के कारण पेट्रोल और डीजल जैसे रिफाइंड उत्पादों पर विपणन मुनाफा भी बढ़ा। इस तिमाही में औसत मुनाफा पेट्रोल के लिए 7.38 रुपये और डीजल के लिए 5.25 रुपये प्रति लीटर रहा। ब्रेंट क्रूड की औसत कीमत 63.1 डॉलर प्रति बैरल रही, जो सालाना आधार पर 10.9 डॉलर और तिमाही आधार पर 5 डॉलर कम है। तेल उत्पादों की घरेलू खपत बढ़ने से कंपनियों की बिक्री मजबूत रही। एलपीजी सिलिंडर की बिक्री पर हुए नुकसान की भरपाई के लिए केंद्र सरकार ने 3 सरकारी तेल विपणन कंपनियों को 30,000 करोड़ रुपये का मुआवजा मंजूर किया है। इससे तेल कंपनियों के प्रदर्शन को और समर्थन मिलेगा।

विवेक ओबेरॉय के साथ सुर्खियों में आईं श्रेया शर्मा

अभिनेत्री श्रेया शर्मा, जिन्होंने हाल ही में मस्ती 4 में अपने अभिनय से दर्शकों का ध्यान खींचा, अब अपने करियर की एक बड़ी छलांग के लिए तैयार हैं। श्रेया जल्द ही फिल्म मिस्टर एंड मिसेज ग्रे में फीमेल लीड के रूप में नजर आएंगी, जहां वह पहली बार विवेक ओबेरॉय के साथ स्क्रीन साझा करेंगी। इस घोषणा के साथ ही फिल्म को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है, जो श्रेया के अभिनय सफर में एक नए और रोमांचक अध्याय की शुरुआत मानी जा रही है। अपनी दमदार स्क्रीन प्रेज़ेंस और लगातार बदलते, चुनौतीपूर्ण किरदारों के चयन के लिए पहचानी जाने वाली श्रेया की मिस्टर एंड मिसेज ग्रे में कास्टिंग इस बात का संकेत है कि वह अब और अधिक गहराई व परफॉर्मेंस–ड्रिवन प्रोजेक्ट्स की ओर बढ़ रही हैं। यह फिल्म जटिल रिश्तों और भावनात्मक उतार–चढ़ाव की पड़ताल करने वाली बताई जा रही है, जिसमें श्रेया का किरदार अनुभवी अभिनेता विवेक ओबेरॉय के साथ एक अहम भूमिका निभाएगा। प्रोजेक्ट को लेकर बात करते हुए श्रेया शर्मा ने इस फिल्म की अपने लिए अहमियत पर एक भावुक और विस्तार से भरा नोट साझा किया।

मिस्टर एंड मिसेज ग्रे मेरे पास उस समय आई, जब मैं जानबूझकर ऐसा किरदार तलाश रही थी जो मुझे भावनात्मक और रचनात्मक रूप से चुनौती दे। विवेक ओबेरॉय के साथ काम करना एक अद्भुत सीखने का अनुभव है—वह हर सीन में गहराई और सच्चाई लेकर आते हैं। कहानी तीव्र, वास्तविक और बेहद परतदार है, और मेरा किरदार एक शक्तिशाली भावनात्मक सफर से गुजरता है। मैं निर्माताओं की आभारी हूं कि उन्होंने मुझ पर इतना मजबूत किरदार निभाने का भरोसा किया, और मुझे पूरा विश्वास है कि दर्शक इस फिल्म से गहराई से जुड़ेंगे। इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का मानना है कि मिस्टर एंड मिसेज ग्रे श्रेया शर्मा के करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हो सकती है, जो उन्हें एक उभरती हुई प्रमुख अभिनेत्री के रूप में स्थापित करेगी। मस्ती 4 ने जहां उन्हें लोकप्रियता दिलाई, वहीं यह नई फिल्म उनके अभिनय को ठोस आधार देने वाली है। जैसे–जैसे मिस्टर एंड मिसेज ग्रे को लेकर उत्सुकता बढ़ रही है, सभी की नजरें अब श्रेया शर्मा पर टिकी हैं—एक ऐसी अभिनेत्री जो साफ तौर पर अपने करियर के अगले स्तर में कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार है।

हक देखने के बाद आलिया भट्ट बनीं यामी गौतम की फैन

आलिया भट्ट ने हाल ही में फिल्म हक देखी। आलिया को हक बेहद पसंद भी आई। जिसे लेकर आलिया ने आज अपने सोशल मीडिया हैंडल पर यामी के बारे में कुछ खास लिखा है और साथ ही यह भी बताया है कि वह अब उनकी फैन बन गई हैं। नेटफ्लिक्स पर आने के बाद कई बॉलीवुड सितारों ने हक को देखा और अपनी राय दी। आलिया से पहले कियारा आडवाणी ने भी यामी की तारीफ की थी। उन्होंने लिखा था, अभी नेटफ्लिक्स पर हक देखी, यामी गौतम, क्या शानदार परफॉर्मेंस थी। आलिया भट्ट ने यामी गौतम के अभिनय की बहुत तारीफ की है। आलिया ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, क्वीन यामी गौतम, हक में आप कला, दिल और सोने की तरह चमक रही हैं। यह मेरे अब तक के सबसे अच्छे महिला किरदारों में से एक है... जैसा मैंने फोन पर भी कहा था... मैं यामी की बहुत बड़ी फैन हूं और आपके आने वाले सभी कामों का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।

किसके बारे में है फिल्म हक?

फिल्म में यामी गौतम ने शाजिया बानो का किरदार निभाया है और इमरान हाशमी ने वकील की भूमिका की है। इसके अलावा वर्तिका सिंह, दानिश हुसैन, शीबा चड्ढा और परिधि शर्मा जैसे कलाकार भी हैं। निर्देशक सुपर्ण वर्मा हैं। फिल्म हक बॉक्स ऑफिस पर अच्छी चली। वहीं अब ओटीटी पर भी फिल्म को काफी पसंद किया जा रहा है। यह फिल्म 2025 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह एक कोर्टरूम ड्रामा है, जो सुप्रीम कोर्ट के एक बड़े फैसले से प्रेरित है। दर्शकों और समीक्षकों को यह फिल्म बहुत पसंद आई।

प्यार में धोखे मिलने के बाद रिश्तों को लेकर क्या सोचती हैं रश्मि देसाई?

टीवी सीरियल उतरन में तपस्या ठाकुर बनकर फेमस होने वाली रश्मि देसाई अपने नए चैट शो रश्मि दिल से दिल तक को लेकर छाई हुई हैं। अभिनेत्री का शो टीवी स्टार्स के निजी जीवन के बारे में दर्शकों को गहराई से बताएगा, लेकिन असल जिंदगी में खुद इतने सारे धोखे खाने के बाद प्यार और शादी के बारे में रश्मि की राय काफी अलग है। अभिनेत्री का कहना है कि अगर वो किसी के साथ इमोशनली इंवॉल्व होती हैं, तो अपना सब कुछ दे सकती हैं। एक्टर नंदीश संधू से टूटी शादी और कई लड़कों को डेट करने के बाद भी रश्मि देसाई आज भी सही पार्टनर की तलाश में हैं। अभिनेत्री ने खास बातचीत में प्यार, शादी और रिश्ते पर चर्चा की। कपल के बीच के इमोशंस पर बात करते हुए रश्मि देसाई ने कहा कि मैं बहुत प्रैक्टिकल इंसान हूं और मुझे क्रैक कर पाना बहुत मुश्किल है। अगर मैं किसी के साथ इमोशनल पार्ट पर जुड़ी तो उसे अपना दिल, जायदाद, घर और पैसा सब कुछ दे दूंगी क्योंकि मेरे लिए इंसान मैटर करता है, लेकिन अब इतने धोखे खाने के बाद मैंने किसी को अपनी तरफ आने की इजाजत नहीं दी है, लेकिन कहते हैं कि भगवान कोई न कोई रास्ता दिखा ही देता है। इस शो के दौरान मैंने समझा है कि रिश्ता दो लोगों के बीच का होता है, सबका नहीं होता है। रश्मि देसाई ने कहा कि उन्होंने ये भी सीखा कि काम और पर्सनल लाइफ को हमेशा अलग रखना चाहिए। अब मैंने अपने इमोशन को काम में शिफ्ट कर दिया है और मुझे काम करना बहुत पसंद है और ये मुझे हील करने का काम करता है और मेरा हैप्पी प्लेस है।

5 करोड़ की एलिमनी पर माही विज ने तोड़ी चुप्पी

हाल ही में टीवी के फेमस कपल में शुमार जय भानुशाली और माही विज ने अपने तलाक की घोषणा की। कपल ने एक ज्वाइंट स्टेटमेंट जारी कर फैंस को सेपरेट होने की बात बताई थी। ज्वाइंट स्टेटमेंट के बाद भी दोनों के फैसले, तलाक की एलिमनी और बच्चों को लेकर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। अब माही विज ने इन सभी सवालों के जवाब दिए हैं। एक्ट्रेस ने अपने हालिया यूट्यूब व्लॉग में इन पर बात की है। माही ने अपने इस व्लॉग को 'प्लीज स्टॉप इट' कैप्शन दिया है। वो कहती हैं– 'हां, मैं जय से अलग हो गई हूं। हमारा तलाक हो गया है लेकिन हम अच्छे दोस्त रहेंगे। हम दोनों ऐसे बने हैं कि हमें पीसफुल लोग हैं। हमें ड्रामा, झगड़े या गंदगी पसंद नहीं है। हमने आपसी सहमति से यह फैसला किया और अलग–अलग रास्ता अपनाया। हमारे लिए यही सही था।'

नफरत भरे कमेंट्स पर रिएक्शन देते हुए माही ने कहा– मैं कमेंट सेक्शन में बहुत कुछ पढ़ रही हूं। लोग पूछ रहे हैं कि हमने बच्चे क्यों गोद लिए, हमारे बच्चे क्यों पैदा किया? हमारा बैंक अकाउंट खाली नहीं है। हम अपने बच्चों की देखभाल कर सकते हैं। और ऐसा भी नहीं है कि जय अपनी जिम्मेदारियों से भाग गया हो या मेरे पास कुछ भी न हो। हमारे तीनों बच्चे पहले की तरह ही अपनी जिंदगी जीते रहेंगे। ये बच्चों के लिए अच्छी बात है। वो देखेंगे कि अगर कोई चीज काम नहीं कर रही तो इसका ये मतलब नहीं है कि तोड़ने के समय गंदगी फैलाएं। या कोर्ट–कचहरी में एक–दूसरे को घसीटो। मुझे लगता है कि मेरे बच्चे मुझे पर और जय पर प्राउड फील करेंगे। वहीं, तलाक की घोषणा के बाद दावा किया जा रहा था कि माही ने 5 करोड़ की तलाक एलिमनी मांगी है। इस दावे पर बात करते हुए माही ने कहा– 'मैं इंस्टाग्राम पर देख रही थी कि लोग लाइक और कमेंट के लिए कह रहे हैं कि माही ने 5 करोड़ की एलिमनी ले ली। ये बहुत दुखद है। आधी जानकारी में कुछ भी मत करिए। हमारे पुराने वीडियो निकालकर, कयास लगाए जा रहे हैं। हमने तो कुछ किया नहीं, आप लोगों ने पूरी गंदगी फैला दी। इसकी जरूरत नहीं। माही ने अपने व्लॉग में उनलोगों को भी लताड़ लगाई है, जो उनके फैसले के ड्रामा बता रहे हैं। एक्ट्रेस ने कहा– 'कोई ड्रामा नहीं है। किसी को तलाक लेना अच्छा नहीं लगता है। ऊपर वाला ना करें कि तुमलोगों के घर में ऐसा हो। जिस पर बीतती है, उसे पता है। हमारी इंडस्ट्री में तलाक लेना कोई मजाक नहीं बना है। बाहर भी तलाक हो रहा है। हर जगह तलाक हो रहा है। हमने ने इज्जत के साथ रिश्ते से निकलने का फैसला किया है, छोटे शहरों की लड़कियां बॉयफ्रेंड के लिए मर्डर कर दे रही हैं। आपलोग क्या बात कर रहे हैं?'

आने वाली फिल्म के जरिए संवेदनशील मुद्दों को सामने ला रही हैं श्वेता त्रिपाठी

समाज को आईने की तरह दिखाने वाली फिल्मों की एक अलग ही अहमियत होती है। ऐसी फिल्मों में केवल मनोरंजन ही नहीं, बल्कि समाज के उन मुद्दों को सामने लाने की हिम्मत होती है, जिन पर आम तौर पर लोग चुप रहते हैं। अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अपनी आने वाली फिल्म पलकों पे के जरिए इन संवेदनशील मुद्दों को सामने ला रही हैं। श्वेता त्रिपाठी ने शूटिंग के अनुभव को साझा किया और उसे चुनौतीपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, शूटिंग लगातार कई दिनों तक चली। यह लंबा शेड्यूल था। इस थकान भरे सफर ने पूरी टीम को और करीब ला दिया। कलाकारों और तकनीकी टीम के बीच जो समझ और भरोसा बना, वह फिल्म में दिखाई देगा। शूटिंग के दौरान एक–दूसरे की मदद करना सभी के लिए एक नई ऊर्जा बन गया। पलकों पे को लेकर श्वेता ने कहा, मुझे फिल्म की कहानी ने सबसे ज्यादा आकर्षित किया। फिल्म उन सवालों का सामना करती है जिनसे समाज अक्सर आंखें मूंद लेता है। तलाक, लैंगिक समानता, यौन पहचान और मानसिक स्वास्थ्य जैसे मुद्दे इस फिल्म में सीधे और ईमानदारी से उठाए गए हैं। ये वे विषय हैं जिन पर लोग आमतौर पर बात करना पसंद नहीं करते। इस फिल्म में बिना झिझक इन मुद्दों को प्रभावशाली तरीके से पेश किया गया है।

उन्होंने कहा, फिल्म के निर्देशक निधिश पुझक्कल ने इसे और भी खास बनाया है। उनका अंदाज अलग है। वह हर सीन, हर खामोशी और हर भावना को एक मनोवैज्ञानिक नजरिए से देखते हैं। ऐसे निर्देशन में काम करना एक अभिनेता का सपना होता है। इससे कलाकार अपने किरदार की गहराई में उतर सकता है और हर सीन में पूरी सच्चाई ला सकता है। उनका यह दृष्टिकोण फिल्म को केवल कहानी नहीं, बल्कि अनुभव बनाता है। श्वेता के अलावा फिल्म में अभिषेक चौहान और ईशान नकवी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

श्वेता ने सह कलाकारों के साथ काम करने के अनुभव के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, अभिषेक और ईशान दोनों ही बेहद ईमानदार और समर्पित कलाकार हैं। इस समर्पण ने मुश्किल और लंबे दिनों को भी सार्थक बना दिया। सभी ने पूरी मेहनत और दिल से काम किया, जिससे फिल्म का हर सीन प्राकृतिक और प्रामाणिक नजर आता है।

शादी मेरे लिए तीन दिन की पार्टी थी और वो हो गई

इस साल शादी के रिश्ते में बंधी यूट्यूबर टर्न ऐक्ट्रेस प्राजक्ता कोली अपनी फिल्म जुग जुग जियो से लेकर वेब सीरीज मिसमैच्ड और अब सिंगल पापा तक में वुड बी ब्राइड यानी होने वाली दुल्हन के किरदार में दिखीं। ऐसे में, स्क्रीन वाली शादी से लेकर असल जिंदगी में शादी के रिश्ते को लेकर प्राजक्ता से हमने की ये बातचीत

वेब सीरीज मिसमैच्ड की डिंपल के रूप में ऐक्टिंग करियर शुरू करने वाली यूट्यूबर टर्न ऐक्ट्रेस प्राजक्ता कोली फिल्म जुग जुग जियो से लेकर हालिया सीरीज सिंगल पापा तक में शादी की तैयारी में जुटी दुल्हन के किरदार में दिखाई दीं। वहीं, इस साल वह असल जिंदगी में भी लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड वृशांक खलान की दुल्हनिया बन गईं। ऐसे में, स्क्रीन पर बार–बार लहंगा पहनने के अनुभव पर प्राजक्ता ने बताया कि वैसे तो उन्हें लहंगे में रेडी होने में बड़ा मजा आता है, लेकिन एक शो की शादी वाले लहंगे से उन्हें इतनी नफरत हो गई थी कि वह उसे जला देना चाहती थीं।

उस लहंगे से नफरत हो गई थी

बकौल प्राजक्ता, मुझे लहंगे से दिक्कत नहीं है। लहंगा पहनकर मजा ही आता है, मगर सिंगल पापा वेब सीरीज हमने जहां शूट की, वहां थोड़ी दिक्कत हुई। यह सीरीज हमने रणथंभौर में मई की गर्मी में 48 डिग्री तापमान में शूट किया। हालांकि, इसमें भी मेरा लहंगा बहुत सुंदर है पर आखिर तक मुझे उससे इतनी नफरत हो गई थी कि मैंने हमारे कॉस्ट्यूम डिजाइनर को बोला था कि क्या पैकअप के बाद मैं इसे जला सकती हूं। मुझे इसे इतनी नफरत है कि मुझे इसे जलाकर इसके इर्द गिर्द नाचना है, वरना बाकी सब मजेदार था।

शादी बहुत खूबसूरत अहसास

वहीं, असल जिंदगी में शादी के बाद क्या खास और अलग महसूस कर रही हैं? इस बारे में वह बताती हैं, शादी मेरे लिए तीन दिन की पार्टी थी और वो हो गई। मैं मेरे पार्टनर वृशांक के साथ पिछले 14 साल से हूं तो पहले 13 साल हमने जिस चीज को बिल्ड किया था, अब उसे इंजॉय कर पा रहे हैं क्योंकि इतने सालों में पहली बार हम साथ रहे रहे हैं। मेरे लिए तो शादी के बाद के ये पिछले नौ–दस महीने बहुत खूबसूरत रहे हैं। मेरे लिए शादी एक खूबसूरत अहसास है क्योंकि मुझे ऐसा शख्स मिला जिसके साथ मैं बहुत खुश हूं। हमने साथ में समय लिया, फिर इस साल की शुरुआत में हमने शादी की।

पैरंट्स के साथ न रहना खलता है

वहीं, शादी के बाद के बदलावों पर प्राजक्ता आगे कहती हैं, शादी के बाद अगर किसी बदलाव से मैं जूझ रही हूं तो वो यह है कि मैं अपने मम्मा–पापा के साथ नहीं रहती। मेरे लिए वह सबसे मुश्किल बात थी। बाकी के बदलावों को तो वृशांक ने मेरे लिए बहुत आसान बना दिया लेकिन अपने पैरंट्स से अलग रहना मेरे लिए बहुत मुश्किल रहा है। वहीं, शादी को पुरानी संस्था करार देने के सवाल पर उनका कहना है, यह हर इंसान के निजी अनुभव और सोच पर निर्भर करता है। मुझे नहीं लगता कि कोई यंग लड़का या लड़की यह सोचता/सोचती होगी कि मुझे इसलिए शादी नहीं करनी क्योंकि यह एक पुरानी संस्था हो चुकी है। यह बेशक हो सकता है कि उसने अपने घर पर ऐसा कुछ देखा हो, जिससे वह इस रिश्ते में न पड़ना चाहे या उसे ऐसा कोई मिला नहीं, मगर मुझे लगता है कि इस सोच को जनरलाइज करना सही नहीं है।

मराठी फिल्म करने का सपना हुआ पूरा

नए साल में प्राजक्ता की एक पुराना सपना भी सच होने जा रहा है, जिसे लेकर वह खासी उत्साहित हैं। वह बताती हैं, 12 साल पहले जब मैं कॉलेज में थी, तब मराठी थिएटर करती थी। मैंने महाराष्ट्र और पूरे देश में करीब 150 शोज किए थे। इजरायल में भी हमने शो परफॉर्म किया था, लेकिन रेडियो में काम शुरू करने के बाद मैंने वह बंद कर दिया था। हालांकि, मेरा तब से मन था कि मैं कभी मराठी फिल्म करूं क्योंकि वो मेरी मातृभाषा भी है। इस साल के पहले दिन ही मेरी पहली मराठी फिल्म रिलीज हो रही है, जिसके लिए मैं बहुत एक्साइटेड हूं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः **जितेन्द्र चौधरी**, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in